

मद्वार पु० न० दोहसे जो प्रथम
उत्पन्न होता है ।
मद्वारा पु० न० दाँयी की चालने
का साधन । मम । मांकुश ।
मद्वार पु० देहकी पोड़ा ।
मद्वार न० पुत्र, दधिरकेरा जो देहसे हो
मद्वार न० भांगन । नाँक ।
मद्वार पु० न० पादु मूषण, घालि
का पुत्र ।
मद्वारा स्त्री० स्त्रीमात्र भीरत ।
मद्वारिका स्त्री० भौंगोटी ।
मद्वारिका स्त्री० भौंगिया ।
मद्वारिकार पु० स्वर्ण मंडूर ।
मद्वारिकार त्रि० स्त्रीकार किया गया
मद्वारिकार न० भौंगोटी । मुन्दरी ।
मद्वार न० आठ जो का माप
मद्वारिलि न० मद्वारिलियों को
रखा करने वाला दस्ताना ।
मद्वार पु० भौंगोटा
मद्वारमात्र त्रि० भौंगोटा भर ।
मद्वार न० पाप, गुनाह ।
मद्वार त्रि० पादिये बिना, व्यापार
रहित ।
मद्वार न० ठहरा हुआ, पृथ्वी आदि
मद्वार न० न चलनेवाला, पृथ्वी
आदि ।

मद्वार न० जिसका विचार न
होसके ।
मद्वार न० कुछ समय रहने वाला
मद्वार पु० त्रि० विचार, विजली
मद्वारमात्र त्रि० विजली ।
मद्वार त्रि० ज्ञान न होना । अद्व ।
मद्वार त्रि० ज्ञान ग्रन्थ, सेतनता
रहित ।
मद्वार त्रि० सुन्दर, स्वच्छ, साफ ।
मद्वारोदन न० सुगन्ध, शिकार, मदेर
मद्वार पु० न गिरा हुआ, विष्णु ।
मद्वार पु० जो पैदा नहीं, जो ईश्वर
प्रकृति ।
मद्वार पु० न० शिष्यका धनुष ।
मद्वारोदन न० बकरीका दूध ।
मद्वार पु० बड़ा साप ।
मद्वार त्रि० मच्छा, धेड़
मद्वारोदन पु० जिसका जीवन
बकरी बकरी द्वारा चले ।
मद्वार त्रि० बकरीका समूह
मद्वार पु० जिसके अन्तर्में स्वरहो
मद्वार पु० मजमेर नगर
मद्वार त्रि० मजपायन
मद्वार पु० दातरहित ।
मद्वार न० निरन्तर । हरवक

अजामी स्त्री० जीरा
अजानि पु० स्त्रीरहिता विभा भीरत-
घाला ।

अजिह्व पु० जो कुदिल नहो । सोधा
अजीर्ण न० अपच । बद्धजमी
अजीय त्रि० विना जीय । मुर्दा
अजेय त्रि० जिसे जीता न जासके
अज्ञ त्रि० मूर्ख । ज्ञानशून्य
अज्ञान न० मूर्खता । वैश्वकूपी अयिद्या
अञ्चल पु० कपड़े का कीना । पल्ल्या
अञ्जन न० कज्जल, काजल, सुरमा
अञ्जलि पु० लप फैलाकर दोनों हाथ
जुड़े हुए ।

अटवि-चीखी० धन । जङ्गल [घूमना
अटाट्याखी निरयंक घूमना वैफायदा
अट्टहास पु० बल पूर्वक हँसना ।
जोर से हँसना ।

अट्टाल पु० मकानके ऊपर का
मकान ।

अट्टालिका स्त्री० राजमहल प्रासाद
अणु त्रि० बहुत छोटा, जरा ।
अणुमा स्त्री० बिजुली ।
अण्डज पु० अंडेसे निकला हुआ,
पक्षी ।

अण्डालु पु० मत्स्य । मछली ।

अतप्य भ० इसलिये । एतर्प्य ।
अतया भ० वैसा नहीं ।

अनप्य त्रि० मिथ्या । झूठ

अति भ० बहुत, प्रशंसा

अतिक्रम पु० लांघना । नियम
को भूल जाना ।

अतिशान्त त्रि० लांघगया । अपने क
को भूल गया ।

अतिक्रुद्ध त्रि० बहुत गुस्से में
आ गया बड़ा कोपी ।

अतिजय त्रि० शीघ्रगन्ता । जल्द
चलने वाला ।

अतिजागर पु० निद्रा रहित
जिसको नींद न हो ।

अतितराम्भ० बहुत ही । जियादा ता
अतिथि पु० जिसके आने जाने की

तिथि नियत न हो । मुसाफिर
संन्यासी ।

अतिपतन न० नाश । बरबादी ।

अतिपातक न० बड़ा पाप । बड़ा
गुनाह ।

अतिबल त्रि० बहुत बली । बहुत
जोरावर

अतिरिक्त त्रि० अलावा, सिवाय

अतिरुक्ष त्रि० बहुत रुखा । स्नेह
शून्य ।

अतिपिण्ड पु० बहुत बड़ा । बड़ा
मयागक ।

अतिशय पु० अधिक । बहुत ।

अतीत वि० भूतकाल

अतीन्द्रिय वि० जो इन्द्रियों से न
जाना जाय ।

अतीथ अ० अतिशय । बहुत ।

अतुल वि० उपमारहित वे मिसाल

अत्यन्त न० बहुत ही । अतिशय

अत्यन्तकोपनवि० जिसका स्वभाव
ही क्रोधी हो ।

... पु० किसी वस्तु का

सर्पण । न होना ।

अत्यल्प वि० बहुत छोड़ा बहुत
छोटा ।

अत्याचार पु० अनुचित कर्म,
उपादत्त ।

अत्युक्ति स्त्री० बड़ाकर कहना जिस
में जो गुण न हो उनको बताना

अथ अ० अनन्तर, बाद, प्रस,
मङ्गल, पश्चान्तर ।

अथकिम् अ० स्वीकार, मंजूर, हां

अथवा अ० या, या ।

अदर्शन वि० जो देखने में न आसके

अदाह वि० जो जल न सके ।

अदीन वि० जो कायर न हो ।

अदृष्ट वि० जो देखा न गया हो ।

अदृष्टपूर्व वि० जो पूर्ण न देखा हो

अद्भुत न० विचित्र । जो अस्वाभाविक
हो जाय ।

अद्य अ० आज । वर्तमान दिन ।

अद्यतन वि० आजका काम । आज
की वस्तु ।

अद्यत्वे अ० अद्य, इस समय ।

अद्वितनया स्त्री० पार्यती ।

अद्मीश पु० हिमालय । पर्यंत स्वामी

अद्वितीय वि० जिसके सदृश और
न हो । ईश्वर

अद्वैत वि० जो दो नहीं परमात्म.

अधम वि० कुतिसित पामर-नीचे,

अधमर्ण वि० शृणी कर्जा लेने वाला

अधर पु० होठ । नीचे का होठ

अधरेषुस् अ० भाने घाता परस्त्री ।

अधर्म पु० वेद विरुद्ध कार्य । पाप

अधस् अ० नीचे, जैल

अधस्तात् अ० नीचे-जैल निम्नस्थ

अधिक वि० बहुत, ज़ियादा, अनेक

अधिकरणन० सप्तमी विभक्तिद्वारा
अधिकार पु० स्वामी-सत्त्व हक

अधिकृत पु० वायव्यय निरीक्षक ।
 मालिक, जिसको किसी कर्म
 का अधिकार दिया गया हो ।
 अधिक्षेप पु० तिरस्कार, अपमान,
 तौहीन ।
 अधिगत पु० जाना गया, पाया गया
 अधिगम पु० जानना, पाना, मानना
 अधिस्थ का स्त्री० पर्यंत के ऊपर की
 भूमि ।
 अधिप त्रि० राजा, प्रभु, स्वामी,
 मालिक ।
 अधिपति पु० प्रभु, स्वामी मालिक
 अधिमान पु० लोढ़का महीना,
 मसमाग ।
 अधिराज पु० नार्यमीम शकवती
 राजा का राजा
 अधिराजिणी स्त्री० सीढ़ी, नर्मती
 अधिराज पु० निवास ।
 अधीन त्रि० पड़ा हुआ । पड़ना ।
 अधीन त्रि० भाषण काबु में आ गया
 स्थापित ।
 अधीन त्रि० अग्रज को पग में
 न रखना ।
 अधीन त्रि० नार्यमीम, शकवती
 शहरगद् ।

अधीश्वर त्रि० शकवती । स्त्री०
 अधीश्वरी ।
 अधुना अ० इस समय । अब
 अधृष्ट त्रि० लज्जाशीलालाजवाला
 अधोऽशुक न० लहंगा । नीचे
 पहनने का वस्त्र
 अधोमुख त्रि० जिस का नीचे की
 मुख हो
 अधो लोक पु० भूमिके नीचे, पाताल
 अध्ययन न० पढ़ना
 अध्ययमाय पु० निश्चय करना ।
 यह ऐसा ही है ।
 अध्यापक त्रि० पढ़ाने वाला
 उपाध्याय
 अध्यापन न० पढ़ाना, स्त्री० अध्यापिका
 अध्याय पु० सर्ग, पर्व, अङ्क, पर्व
 उद्गम
 अध्याकृद् त्रि० पढ़ने वाला
 अध्यारोह पु० भीर में दूसरे की
 भाषना करना ।
 अध्याशन पु० भोजन पर भोजन
 करना
 अध्याहार पु० उद्घा, भग्न किसी
 शब्द को लेकर सामका देना ।
 अधीयन न० प्रार्थना । मांगना ।

अध्वय वि० अश्वत्थामो गदा म रदो
अध्वय पु० पणिक मुवाकित ।
अध्वयते वि० पणिक मुवाकित
अध्वर पु० हिन्दारदिन यह
अध्वय पु० धनुर्देव का भाता ।

आतिथ्य ।

अनय वि० पणिकदिन । भूतलोत् ।
अनय वि० मिलाका दुर्गममन्त्र
अनय पु० ईश । शृंग
अनय पु० न पटना

अनय पु० जिनका अर्थ न हो ।
अनय वि० चिता वाक होक ।

अनय रत्न

अनय वि० जिनका मुख्य न हो
वाक्ये अमन्य ।

अनय पु० जिनका अर्थ न हो ।
निष्प्रयोजन येनायदा ।

अनयान्त न० एक अर्थ वाला
अनय पु० अग्नि । आग

अनयमानता स्त्री० प्रमाद । मूल
अनयन वि० लगातार । निरन्तर

उत्तर

अनयतर वि० अन्वय । येना
अनयस्कर वि० निर्मल । विमल

साध ।

अनयन न० न पाना । उपचार
अनयना स्त्री० गुणों में दोषोप
करना । अत्रिमुनि की स्त्री
अनयुल वि० न घबड़ाया हुआ ।
अन्यय ।

अनागत वि० आने वाला समय ।
अनाहार पु० आहार का न होना
अनागत पु० धूपका न होना छाया
अनाहर पु० अपमान । निरस्कार ।
वेदजनी ।

अनादि पु० जिनका भादि मुक्तदो
अनामय पु० रोग का न होना ।

आतोय

अनायाम पु० यिनामयता । यमधम
अनायन न० लगातार । सन्तत

अनाय पु० कुटिलता । असरलता
अनायुष्टि स्त्री० सर्प का न होना

अनायुष्टा स्त्री० अनादर अप्रतिष्ठा
अनिल पु० वायु । हवा

अनिलसख पु० वायुवामिन्न अग्नि
अनियार वि० जिसका नियारण

न होसके

अनिय वि० बुरा । दुःसका साधन
याप

अनीक न० होना । पीज

अनीश पु० जिस का कोई स्वामी
न हो

अनीह त्रि० जिसकी कोई इच्छा
न हो

अनु अ० पीछे, निरुद्ध । लक्षण,
धीप्सा

अनुकम्पा स्त्री० दया, मेहरबानी
कुछ हिलना ।

अनुकर्षण न० पीछेसे आगे खींचना
अनुकामीन त्रि० इच्छापूर्वक चलने
वाला

अनुकूल त्रि० सहचर मुआफ़िक
अनुक्रम पु० परिपाटी । सिलसिला
अनुकर्माणिका स्त्री० भूमिका। दीवा-
चह ।

अनुग त्रि० पीछेचलनेवाला सहचर
अनुगंत त्रि० शरणापन्न । अधीन

अनुगम पु० पीछेजाना। सहायी होना
अनुग्रह पु० कृपा, दया, मेहरबानी

अनुचर त्रि० साथजानेहारा। सेवक
दास ।

अनुज त्रि० छोटाभाई

अनुज्ञा स्त्री० आदेश । हुक्म

अनुत्ताप पु० पश्चात्ताप । पछताना

अनुत्तर त्रि० जिसका उत्तर न
दिया हो ।

अनुचापन न० पीछे दीड़ना तनाक
करना

अनुनय पु० विनय । प्रार्थना। प्रणि-
पात मुकना ।

अनुनासिक पु० ङ अ ण न म मुख
सहित नासिकासे जो बोला जाये
अनुपपत्ति त्रि० असंगत । दलीलकी
न होना

अनुपम त्रि० उपमाशून्या। वेमिसाल
अनुपलब्धि स्त्री० अप्राप्ति। मिलना
अनुपान न० अपिषके साथमें मधु
आदि देना

अनुपूर्व पु० यथाक्रम। सिलसिलेवार
अनुप्रास पु० तुल्यवर्णोंकी रचना

अनुभव पु० प्रथमज्ञान । तजुर्वा
अनुमत त्रि० सम्मत । मंजूर

अनुमति स्त्री० मानलेना । अनुज्ञा
अनुमान न० धूमको देखकर आँगन

का होना

अनुमोद पु० अन्यके कथनके अनु-
सार स्वयं मानकर कहना ।

तार्किक

अनुराग पु० अतिप्रीति प्रेम, स्नेह

अनुराधा स्त्री० २७ नक्षत्रों में १७वां
नक्षत्र

अनुकूप म० एक जंता, सद्दा रूप-
पाला ।

अनुलोप पु० दृक्कायट । अनुसरण

अनुलाप पु० बार बार कहना

अनुलेप पु० चन्दन आदिका मलना

अनुलोम पु० पद्याक्रम मिलसिले-
वार

अनुवाद पु० जाने अर्थको वर्णन
करना । तर्जुमा

अनुवासन म० धूपमादिसे सुगन्धि
सुलः करना

अनुदाय पु० मतिद्वेष । बहुतघेर

अनुशासन म० आशा-दुष्कर्म-शासन

अनुशीलन म० बार २ विचारना ।

बार २ अभ्यास करना

अनुष्ठान म० येद विहित शुभकर्म
करना

अनुसन्धान म० अन्वेषण-तलाश
करना

अनुसरण म० पीछे जाना-पीछाकरना

अनुचान पु० येदृक् । येदका जानने
वाला

अनूल म० सम्पूर्ण-पूरा

अनून म० मिथ्या । झूठ

अनेक त्रि० बहुत । एक से भिन्न

अनेकप पु० जो मूत्र और स्रूह से
पीता है । हाथी ।

अनेकरूप त्रि० जिसके बहुत रूपहो

अनेहसू पु० दिवस । दिन

अनोकह पु० वृक्ष द्रव्य । पेड़

अन्त म० नाश, कोना, सोमा, हृद

अन्तःकरण म० मन. बुद्धि चित्त
अहङ्कार

अन्तःपुर म० रतवास

अन्तक पु० नाश करने वाला । यम
मृत्यु

अन्तकर त्रि० नाश करनेवाला ।

अन्तग त्रि० पार जाने वाला ।

अन्तर म० अदकाश, अवधि, भीतर

अन्तरङ्ग त्रि० जिसके अङ्ग भीतरहो

अन्तरा म० बिना मध्य निकट

अन्तराय पु० विघ्न । रुकावट

अन्तराल म० मध्य । बीच

अन्तरिक्ष म० आकाश । आसमान

अन्तरित त्रि० बीचमें सागया तिर-
रुझत

अन्तरीप पु० जिसके मध्यमें जल
हो द्वीप-जङ्गोरा

अन्तरे म० मध्य बीच

अन्तरेणा म० बिना-बीच

अन्तर्दाह पु० भीतर जलन

अन्तर्दान म० छिपना-छोट होना

अन्तर्दि पु० छिपना-आच्छादन
दफना

अन्तर्भूत त्रि० गुप्त-छिपाहुआ
अन्तर्यामिन पु० भीतरका हाल
जानने वाला ईश्वर

अन्तर्गतनी स्त्री० गर्भवती स्त्री
अन्तर्हित त्रि० गुप्त-छिपाहुआ
अन्तिक त्रि० जो पास रहे, पास
अन्तिम त्रि० पीछेका, आखिरी
अन्त्य पु० सयसे पीछे चाण्डाल
अन्त्यज पु० चाण्डाल प्रभृति
अन्त्येष्टि स्त्री० मृतदाह-अन्तिम-
संस्कार

अनू स्त्री० निगड़-जंजीर
अन्व त्रि० दोनों आंग्रोंसे न देखने
वाला

अन्वकार पु० न० तम-अन्धेरा
अन्वक्षप पु० अन्धेरा कुआ।
जहाँ बहुत अन्धेरा हो।
व्यातिरेक।

अन्यत्र अ० बिना, दूसरी जगह,
अन्यथा अ० नहीं तो। दूसरी-सीति
से, बिना, भूँट।

अन्यदा अ० कालांतर में। फिर
बारी

अन्याय पु० अनुचित, असंगत।
उल्टा जुल्म।

अन्योन्य त्रि० परस्पर, आपस में
अन्योन्याभाव पु० आपस में एक
दूसरे का न होना।
अन्योन्याश्रय त्रि० एक दूसरेका
सहारा

अन्वय पु० वंश। पदोंकी परस्पर
आकाङ्क्षा।

अन्वयव्याप्ति स्त्री० अन्वयके साथ
नियमसे रहना जैसे जहाँ धूम
होगा वहाँ अग्नि अवश्य होगा
अन्वयसंगं पु० जैसा चाहते हो
वैसा करो ऐसी भाषा।

अन्वादेश पु० कहे हुये को पुनः
कहना। जैसे इसने व्याकरण
तो पढ़ लिया है अब गणित
पढारये।

अन्वेषण न० खोज ढूँढना पाछा
चाह।

अप० स्त्री० जल नीर, पानी।

अप अ० विषोग विकार, उल्टावर्ज।

अपकार पु० बुराई, बनिष्ट, पैद,
दुश्मनी।

अपहृत त्रि० अपहृत, नीच। हीन।

अपकाम पु० पलायन, भागना,
अपृष्टि

अपक्रिया स्त्री० द्रोह, घैरअपकार

अपकोश पु० निम्दा, घुराई अपवाद

अपछेपण न० मीचे को फेंकना ।

अपघपण पु० हानि नुकसान, घुराना

अपघार पु० घृष्टाचार, घुराकाम ।

अपरय न० सन्तान । भीलाद् ।

अपत्रय त्रि० लज्जाहीन, बेगारम ।

अपथ न० कुमार्ग, घुरा रास्ता ।

अपथ्य त्रि० हानिप्रद वस्तु नुक-

सान देने वाली चीज ।

अपदेश पु० छल, बदमा, गद्दय

निशान, निमित्त ।

अपनयन न० घुरकारना, लहरन

करना

अपग्रंथ न० गिरना अशुद्धोच्चारण

अपमान न० अपमान, निरादर बे-

हज्जती

अपस्ति स्त्री० विराम दृष्टाना ।

अपरत्र भ० परलोक में, पीछे दूरता

समय ।

अपराध पु० पातक पाप गुनाह ।

अपराह पु० दिनका तीसरी पहर

अपरिग्रह पु० स्वीकार न करना

दान न लेना ।

अपरिच्छिन्न त्रि० इच्छा रहित
असीम । वेदद्

अपरेष्टुम् भ० दूसरे दिन परसे

अपरोक्ष न० प्रत्यक्ष । सामने

अपर्याप्त वि० अपूर्ण । जो पूरानही

अपराध पु० शरत्कालोत्थाना, स्वी-

कार न करना ।

अपवाद पु० निम्दा, बाधकविरोध

अपवारण न० बालनधर्म । छिपना

पक्ष ।

अपाय पु० नाश, दृष्टाना, दुःख,

आपत्ति

अपि नु भ० किन्तु । यदि यद्यपि ।

अपिपान न० टकना । आच्छादन

अपूप पु० पूछा । पुष्पा ।

अपेक्षा स्त्री० अवाहता । निश्चय

अवाध त्रि० जिसमें बाधा न हो ।

अभज न० कामल पङ्कज

अभ्र पु० बादल । मोघा । न'यद्

अभिष्ट पु० समुद्र । सागर

अभ्र न० बादल । मेष

अभय न० भय का नहोना । बेहद

अमाय पु० न होना । मरना

अमिह त्रि० अतुर, परिहृतज्ञानवाट

अमिहा स्त्री० प्रथम उपजा जल

अभिधेय त्रि० नाम घाला ।
 अभिहनन न० दोनो ओरसे बांधना
 अभिनीत त्रि० सीखा हुआ ।
 शिक्षित ।

अभिप्राय पु० मतलब । आशय ।
 अभिमय पु० पराजय । हारतिरस्कार
 अभिमत त्रि० सम्मन । आदत
 अभिमान पु० अहङ्कार । दर्प ।
 घमण्ड

अभिमुख । त्रि० सम्मुख सामने ।
 अभियुक्त त्रि० प्रतिवादी । मुल्जिम
 अभियोग पु० मुकद्दमी ।
 अभिराम त्रि० सुन्दर प्रिय मनोहर
 अभिरूप पु० पंडित, चन्द्रमा,
 मनोहर, कामदेव ।

अभिलाप पु० काटना । छेदना
 अभिलाप पु० इच्छा, चाह, मनोरथ
 लोभ ।

अभिवाद् पु० प्रणाम, वन्दना ।
 अभिवादन न० वार्षिक प्रणाम,
 नमस्कार

अभिविधि पु० प्रथा, रीति, व्यवस्था,
 यहाँ से वहाँ तक

अभिव्यक्त पु० प्रत्यक्ष, प्रकाशित,
 रोशन ।

अभिव्याप्ति स्त्री० पूरी तरहसे मि-
 लना, सम्पूर्ण अङ्गोंसे सम्बन्ध
 अभिशाप पु० मिथ्या, मपवाई
 शाप ।

अभियङ्ग पु० तिरस्कार, निन्दा
 अभियेक पु० पदपर नियत करना
 तिलक

अभिसम्ताप पु० शाप देना तपन
 अभिसन्धान न० व्यवधान, प्रतारण
 ठगना, अनुराग ।

अभिसम्पात पु० गिरना, पतन
 अभिसर त्रि० अनुचर, सेवक
 अभिसर्जन न० देना, पध, धन
 अभिसार पु० चल, मुख सहाय
 अभीष्ट त्रि० अमुक, स्वामी दिया
 अभीक्षणम् अ० चारम्भार, निर-
 हरयुक्त ।

अभीष्ट पु० निर्मय । [आहार]
 अभीष्ट त्रि० याञ्छित, प्रिय, मनो-
 अभीष्ट पु० एक रूप । विनाश
 अभ्यङ्ग पु० स्नान आदिका मल
 अभ्यङ्गन न० स्नान लगाना ।
 अभ्यङ्गतर न० बीच । मोतर ।
 अभ्यर्ण त्रि० रात्रीय, पान, निजा
 अभ्यवहार पु० भोजन, खाना

अभ्यसत न० अभ्यास । बार २
 एक काम को करना ।
 अभ्यागत पु० अतिथि, महात्मा ।
 अभ्याश पु० समीप अवश्यमेव ।
 अभ्यास पु० एककार्यको बार १
 करना महापरा
 अभ्याहार पु० भोजन । आहार
 देखते २ चुरालेना
 अभ्युद्यय पु० अभ्युदय । वृद्धि ।
 तरबको ।
 अभ्युत्थान न० आदरसे उठकर
 भागे लेना । उठना ।
 अभ्युदय पु० वृद्धि । बढ़तीतरबकी
 अभ्युपगम पु० मानलेना । निकट
 आगया । युक्ति, दलील ।
 अभ्युपाय पु० स्वीकार । मंजूर ।
 अच्छा उपाय
 अभ्युह पु० तर्क । दलील
 अभ पु० रोग । बिना एकाफलादि
 अभङ्गल पु० अग्रसन्नता । पर-
 रण्ड का वृद्ध ।
 अभय न० भोजनका पात्र धर्तन ।
 अभय पु० जो मरे नहीं ।
 अभयार्द्रि पु० सुमेध पर्यंत ।
 अभय पु० क्रोध । गुस्सा कोप

अभयर्षण त्रि० क्रोधी गुस्सेवाला
 अभल न० निर्मल । साफ दोह
 रहित ।
 अमात्य पु० मन्त्री । पन्थु । यजीर
 अमित्र पु० शत्रु । दुश्मन । घेरी ।
 अमृत्र अ० परलोक दूसरा जन्म ।
 अमूर्त त्रि० जिसका आकार न हो
 आकाश । पापु । आत्मा
 अमृतफला स्त्री० अमलकी । आमला
 अमृतपत्नी स्त्री० गुडूची गुर्च
 अमध्य न० अपघ्नित । नापाक
 अमोघ त्रि० सफल जो ध्वंस न हो
 अम्बक न० नेत्र । आँख । लोचन
 अम्बर न० आकाश । वस्त्र कपड़ा
 अम्बष्ठ पु० चिकित्सक । दक्तीम
 अभ्या स्त्री० जननी माता
 अभ्यालिका स्त्री० पिचित्र धीर्य
 की मा पांडुकी मा ।
 अभिषेका स्त्री० धृतराष्ट्र की माता
 अभ्यु न० जल । पानी । तोय ।
 अभ्युक्ता स्त्री० पानीकी धूँद
 अभ्युज न० कमल । चन्द्रमा
 अभ्युद पु० मेघ । बादल
 अभ्युधि पु० समुद्र । सागर
 अभ्युद न० पद्म, कमल ।

-मम्मोज न० पद्म, कमल ।
 मम्मोघर पु० मेघ, बादल, समुद्र,
 मम्मोधि पु० समुद्र सागर
 मघ्र पु० आमका वृक्ष ।
 मम्ल न० छाछ, मट्ठा, खट्टी
 यस्तु ।
 मम्लक पु० कुछ खट्टा ।
 मयस्कार पु० लुहार ।
 मयि म० प्रश्न, सवाल, सम्योधन
 मय म० कोप । गुस्सा, दूसरे को
 बुलाना ।
 मरण्य न० घन, जंगल ।
 मरण्यानी, स्त्री० बड़ा घन ।
 मरविन्द न० कमल । बगला ।
 मरर त्रि० किवाड़, द्वार, नर्वाजा ।
 मराति पु० शत्रु, दुश्मन ।
 मरि पु० शत्रु । मित्र । वैरो ।
 दुश्मन ।
 मरिन्दम पु० शत्रुजैना । दुश्मनों
 पर दबाव रखने वाला ।
 मरिमर्द त्रि० शत्रुओं को तपानेवाला
 दुश्मन को दवाने वाला ।
 मरिपङ्कय पु० काम क्रोध, लोभ
 मोह, मद, मात्सर्य ।
 मारिष्ट पु० सत्तानोत्पत्ति गृह ।
 मशुम

मरनि पु० जहाँ मर्चि न होतल
 महत्त त्रि० नीरोग, रोग रहित
 तन्दुकम्त ।
 मरुण पु० सूर्य । सूर्यलाली ।
 मरुणनेत्र पु० लालमानवला ।
 मरुणोदय पु० सूर्य, सूर्यकोटन
 मरुनुद त्रि० मर्मभेदी । इन्द्र
 चुमने वाला ।
 मरे म० नीच सम्योधन, क्रोम
 बुलाना ।
 मर्क पु० सूर्य, आमका वृक्ष, मर्क
 मर्कतनय पु० सुग्रीव । कर्ण ।
 मर्गला स्त्री० जंजीर । शृंगल
 मर्घ पु० मूल्य, कीमत । पूजा
 मर्घ्य न० हाथ पैर धोनेके लिये
 मर्चा स्त्री० पूजा । सत्कार ।
 मर्चि स्त्री० आग की लपट ।
 किरण । चमक ।
 मर्चित त्रि० पूजा किया
 सत्कारित ।
 मर्जक पु० इकट्ठा करने वाला
 मर्जन न० इकट्ठा करना । उपा
 मर्णय पु० समुद्र सागर । समु
 मर्तन न० निन्दा, तिरस्कार, नि
 मर्ध पु० प्रयोजन, उद्देश्य, म

अर्घ्यवृषण न० धनको घुरे काम में
 ध्यय करना ।
 अर्घ्यप्रयोग पु० लेन देन । काम में
 लाना ।
 अर्घ्यव्यय पु० किस स्थान पर
 किना धन ध्यय किया जाय
 ऐसा ज्ञाना ।
 अर्थागम पु० धन का आना ।
 अर्थापत्ति स्त्री० एक बात के कहने
 से दूसरी बात अपने आप
 सिद्ध होजाये जैसे चीज जीता
 है परन्तु यहां नहीं है तो
 अन्यत्र अवश्य होगा ।
 अर्धचन्द्र पु० गला पकड़कर
 निकाल देना धक्का देना ।
 अर्धरात्र पु० आधी रात
 अर्पण न० देना । भेंट करना
 अर्पित त्रि० दिया गया ।
 अर्भक पु० बालक, मूर्त, छात्र, कमजोर
 अर्पाचीन त्रि० नतन । गया
 अर्ह पु० शतकार करने के योग्य,
 पूज्य
 अर्ह म० पर्याप्ति । काफी । निषेधा
 अर्क पु० पागल कुत्ता । जुलूक
 अर्ह पु० अभूषण, शोभित्व
 शास्त्र

अलस पु० उद्योग रहित । मालसी
 सुस्त
 अलात पु० न० अर्धदण्डकाष्ठ ।
 लुकटा कोयला ।
 अलौकिक त्रि० विचित्र । अजीब
 अल्प त्रि० बहुत कम । जरासा
 अल्ला स्त्री० माता । मा । अम्मा ।
 अवसर पु० कृड़ा ।
 अवकाश पु० अवसर । छुटसत
 मौका ।
 अवगत त्रि० क्षात हुआ । क्षान
 अवगाह पु० स्नानशुद्ध, गुसलखाना
 अवगीत त्रि० कलटिङ्कत, दुष्ट,
 इलजाम
 अवगुण पु० दोष, घुलाई, पेश
 अवगुण्टन न० धूंगट निकालना
 अवग्रह पु० रोध रोक वृष्टिरोध ।
 अवचय पु० सचय इच्छा ।
 अवचलक न० चोरी, मोरछल
 अवच्छिन्न त्रि० सङ्कुचित,
 सिक्कुड़ा हुआ
 अवच्छेदक त्रि० काटमेघोला ।
 अवका स्त्री० अवदेशी, अनादर
 अवटीट पु० चपटी नाक वाला ।
 अवतंस पु० शिरोभूषण, मुकुट ।

मयतारपु० जमन, पारहोनागङ्गादि
 मयदात पु० श्वेत, सुन्दर चिद्धारंग
 मयदारेण न० सनित्र, कुशल
 मयय त्रि० मयम, मोच, पापी
 मयधान न० मनोयोग, गौर मयदोरी
 मयधारण न० निश्चयकरण
 मयधि पु० सीमा, हृद्, काल,
 मयन न० मीनन, तसल्ली, रक्षण
 मयनत्र त्रि० नम्र, भुक्ताहु मा ।
 मयनी स्त्री० पृथिवी, जमीन ।
 मयनिका स्त्री० उज्जैन
 मयगात्र पु० नीचे गिरना
 मयमानता स्त्री० प्रपमान, ये मयदी
 मययय पु० शरीरके भाग, आज्ञा
 मयर त्रि० यरम, आगिरी पिछला
 मयरति स्त्री० विराम, टहरना ।
 मयन
 मयकट त्रि० मयनीज उतरा हुआ
 मयलोच पु० निरोध, रोक
 मयरोह पु० मयतरण, उतरना ।
 मययय पु० माश्रय, शशरा,
 हरण ।
 मयदिन त्रि० गहकुरा, मयकर
 मयदेव पु० मय मयदुल, मकर
 मयदेव पु० यदनी ।
 मययय न० दृग्म, देवता ।

मयश त्रि० मय्याधीन, परयश बेवश
 मयशिष्ट त्रि० बाकी, अधिक, मिल
 मयश्य म० त्रि० सर्वथा, अरु
 मयसर पु० प्रस्ताव, प्रसंग, समर
 मोका ।
 मयसर्प पु० घर, दूत । कासिर
 मयसान न० विराम, समाप्ति भा-
 चीर, हृद्
 मयस्कन्द पु० शिविर, छावनी,
 भाकमण
 मयस्कर पु० फूहा
 मयस्तार पु० जयनिका कनात,
 पर्दा
 मयस्था स्त्री० मायु । उग्रदशा ।
 हालन
 मयस्थान न० स्थिति, जगह
 मयधरान न० मयपनन । नीचे
 गिरना
 मयदेव न० स्त्री० मयदर, ये मयदी
 मयदुग्ग त्रि० निरका नीचे को
 मुल हो ।

मयकय न० जो कहनेके योग्यनये
 मयि पु० मेह । यकरा । शय्य ।
 मयिन न० मय्य । शय्य [कागही]
 मयिदा स्त्री० शान मुदना मयि

अयनीत पु० अशिक्षित । न
सोसा हुआ ।
अविरत त्रि० लगातार । विरामशून्य
अविरल त्रि० सघन, निरिच्छ मिठा
हुमा
अधिक पु० अज्ञानता । बेयकूकी
अविधान्त त्रि० विरामशून्यालगा-
नार
अविनष्ट न० गोलमाल जो साफ
साफ न हो
अव्यय न० दर्शनादेयता । सोचना
अव्यय पु० सर्वविभक्तियों तथा
सर्वधननों एवं जो सर्वलिङ्गों
में सम रहता हो
अशन न० भोजन । खाना
अशनाया स्त्री० भूल भति भूल ।
अनि पु० गज । विजलों ।
अरीर त्रि० जिसका शरीर न हो
परमात्मा ।
अशित त्रि० अशिक्षित साया हुआ ।
अश्वी स्त्री० पुत्र विहीना स्त्री ।
अमीलाद् अरित
अति स्त्री० गस्ती ८०
अत्रि० पाप । अमङ्गल
अत्रि० समस्त । सब

अशोक्य त्रि० जो शोक करने के
योग्य न हो ।
अशौच अपवित्रता । नापाकी ।
अभयरी स्त्री० पथरी की बीमारी
अभान्त त्रि० सन्तत । लगातार न
थका हुआ ।
अधु पु० भाँख । नैत्र जल ।
अधुन त्रि० जो सुना न हो । अनसुना
अश्लील न० प्राम्यभाषा । गाली
गलाज ।
अश्व पु० घोटक । घोड़ा
अश्वारज पु० त्रिकुचर अश्वार
अश्वमुख पु० छोटे कामा मुंहवाला
अश्वमेध पु० यज्ञविशेष
अश्वपार पु० सवार । घुड़चढ़ी ।
अश्वारि पु० भैंसा । महिष ।
अश्वारोह पु० सवार । घोड़ेपर
चढ़नेवाला ।
अष्टा पु० अष्टाङ्गाष्टक मात्रकानाम्
अष्टा म० अष्टप्रकार । आठतरहसे
अष्टांग पु० सोना चाँदी ताँबा
पीतल कांसो जस्ता कलीलोहा
अष्टमी स्त्री० गार्हपत्यविधानाम्
अष्टांग पु० योग विशेष । धर्म नियम
आसन प्राणायाम प्रत्याहार
ध्यान धारणा समाधि ।

असह्य त्रि० जिसकी संख्या न हो। बेशमार।

असह्य शलः, मीघः, पामरः ।

असमञ्जस न० असंगत । जो युक्ति-
युक्त न हो ।

अस्तमेय पु० दुष्टकाल । येयक्त ।

असमर्थ त्रि० दुर्गल । असक्त ।
कमजोर ।

असम्मम त्रि० अनमिमत् । उलटा
यस्सत् । [अपमंश

मरणाधु त्रि० मरणाज्जन । दुष्टमाहमा
मरणाधु त्रि० जिम का उपाय न
होसके । दुर्मम ।

अगाम्यतम् अ० अयुक्त । ना गुम-
नित । सेमोपद्र । मिःसार

असार पु० जिन में सार न हो ।

अग्नि पु० तलवार। लडग तलवार
असिधेनुका स्त्री० पुरिका। पुरी।

अमुं पु० प्राण । शिल । दिव
अमुं न० पु० प्राण । कलेश । मकलाप

अथ पु० शृंगं । रात्रि । दीप ।

अथर्ववेदः वि० गुणो० ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 यथा । शुभाष्टमः ।

अमुना श्रीः निम्दा । मुदा ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

अस्तमन न० अस्त होना सूर्या-
दिका छिपना ।

अस्ति अ० स्थिति, विद्यमानता,
मीजवर्गी

अस्तु म० आनुज्ञा, ऐसाहो. पीड
अस्तुयान न० भर्त्सन, मलाम

निरादर : [दृष्टिपात]
अथ नः ऐक्ये योग्य धातुर्वा

अस्थान म० नामुनांसय जगद
भारत/सिंह न० बाहीनसोसे रवि

अस्मद्भु त्रि०ह्रम,आत्मवाचोसर्पयत्न
अस्मिन्नास्मी० मोह मिथ्या शून्य

अस्य तन्मयं त्रिः पराधीन, परमेश
महेश त्रिः भगवानो रामेश्वरी ।

अहङ्कार पु० अभिमान, गुरुत्वं ।
अहङ्कारि पु० अहङ्कारि, अहङ्कारि ।

धमः । [दिग्गन्ता मा]

महर्षिच न० प्रतिदिन, सोमवार

मन्त्राय मातः ।
मन्त्राय मातः । मन्त्राय मातः । मन्त्राय मातः ।

अहम् ॥०॥ अहोदय, ह्रीं, श्रीं

ଅହମ୍ମଦ ଶାହ ଖୁର୍ରୀ କୁରାମା ମ . "

महि पु० सांघ, रावे, सुय, नीच ।
महिना स्त्री० मन घाणी कर्म ही
किस्तीको दुःख न देना ।
महित पु० दुःखद, मङ्गल, दुःख
देने वाला ।

महितता स्त्री० पातकी बेज ।
महीरजि पु० दो मुख वाला साँप
महो अ० शोक कदना, धिक्कार
पियाद, सम्बोधन ['धधाम ।
महोषत अ० शोक बोधक, दया धम
० होरात्र पु० रातदिन । महर्निश
अ० रात्र अ० शीत, जल्दी ।

(आ)

आकर्षित त्रि० कांपता हुआ ।
आकर पु० आन घातु निष्कारणैका
स्थान ।
आकर्षक पु० आकर्षक, सु'यका
आकर्षक न० इच्छा, गिनती, रोषना
आकर्षिक त्रि० आकर्षक, एकपक्षी
आकाङ्क्षा स्त्री० आह, इच्छा, अभि
प्राय ।
आकाश पु० निशाचर, शूद्र, समशामति
आकाश पु० गुर्ना, मन्त्रा अभि-
प्राय मङ्गल ।
आकारणा स्त्री० पुलाता, पुकारना

आकारिक त्रि० यिना रामप, बेबक
पैदा हुई थी ।
आकाश पु० रागत, आनमान ।
आकाशवादी स्त्री० मगरबेल ।
आकुम्भत न० सफोड़ना, सफोष ।
आकुट त्रि० व्याकुल, घबराया हुआ
आह्वान स्त्री० आकार शबल ।
आभस्व पु० ऊँचे स्वर से रोना
चिल्लाता ।
आक्रम पु० चलने दवाना, गद्दाई
करना । [ल्यात
आप्रीह पु० गिल्ली जगद, लीहा
आप्रीह पु० निम्ना करना साथ ।
पुकारना ।
आशीत पु० मन्त्रा मनवाला, पागल
आशेष पु० कलकुलमाना तानाईना
आल पु० अमित्र, पागल
[लीहने वाला ।
आधुनिक पु० खोर, सुभर, सुहा,
आरु पु० सुहा, खोर, सुभर ।
आर्गेट पु० मृगया, शिकार ।
आर्गेटिक पु० शिकारी भयानक
आख्या स्त्री० गंजा नाम वृक्ष ।
आख्यात त्रि० कटागया, वर्जन-
वि.यागया ।
आख्यात त्रि० कटौदाता अप्यापक

आख्यान न० इतिहास, कथा, कहानी
 आख्यायिका स्त्री० कथा, कहानी
 आगत त्रि० उपस्थित, दाढ़िर,
 आगया ।

आगम पु० धाना, शास्त्र ।
 आगस् न० अग्राध, पाप, नृक, मूल
 आगार न० स्टेशन, पड़ाव, स्थान ।
 आघात पु० चोट, आघात ।
 आघ्राण न० गन्धकाले ॥ गन्धग्रहण
 स घना ।

आचार पु० चालचलन व्यवहार ।
 आचार्य पु० शिक्षक, शोधदाता,
 अध्यापक ।

आच्छन्न त्रि० ढका हुआ, रक्खा,
 हुशा ।

आच्छादन न० बन्ध, कपड़ा, पर्दा
 आच्छिन्न न० कट हुआ । बलसे
 पड़ा हुआ ।

आजि स्त्री० समरभूमि । लड़ाईकी
 जगह । [गुजर

आजीव पु० जीविका, निर्वाह,
 आज्ञा स्त्री० निर्देश, शासन, हुक्म
 आज्य न० घृत, घी ।

आजनेय पु० अनुमान् ।
 आटविक त्रि० जङ्गली वनचर ।

आटोप पु० बहदूर, बेग, जोर ।
 आडम्बर पु० धर्य । खुशी, बह-
 कूर, बेग

आटक पु० न० बरह, अन्नविशेष
 आट्य त्रिपु० क, मिला हुआ, महापत्नी

आतङ्क पु० रोग, मन्ताप । मय ।
 आतप पु० पीडा, गर्मी, घृण ।

आतपत्र न० छाता । छतरी
 आनिध्य न० नतिधि सेवा ।

आतुर त्रि० रोगी, पीड़ित, दुखिया
 आत्मघोष पु० काक कीया, कुता

आत्मज पु० पुत्र, बेटा, लड़का ।
 आत्मदर्श पु० दर्पण शीशा ।

आ मनीन त्रि० अपना पुत्र, स्व-
 ितिकारी

आत्ममरी पु० अपनाही पैदा
 भरनेवाला, पैदू

आत्मरक्षा स्त्री० अपना रक्षण ।
 स्वपालन । अपना बचाव

आत्माधीन पु० अपने वश, पुत्र ।
 आत्मसात् अ० अपने साथ अपने

काबू में ।
 आत्मीय त्रि० स्वकीय । अपना ।
 आदर पु० मान, प्रतिष्ठा, इज्जत ।
 आदर्श पु० दर्पण, नमूना ।

आदान न० लेना, मरण ।
 आदि पु० प्रथम, पहिले होना
 आदित्य पु० सूर्य । सूरज ।
 आदिपुत्र पु० ईश्वर, परमात्मा ।
 आदिम पु० पहिले हुआ । आदि
 का आदम । [किया गया ।
 आदृत त्रि० पूजा गया । आवर —
 आदेश पु० आज्ञा, हुक्म इतिहा ।
 आद्य त्रि० प्रथम हुआ । प्रथम
 आधुन त्रि० जिते सर्वदा याने
 का ही ध्यान रहे ।
 आधमर्त्य न० कर्ज । [मासरा ।
 आधार पु० अधिकरण आधय ।
 आधि पु० मनोपिचा मगको पीड़ा
 आधिक्य न० बहुतायत ज़ियादती
 आधिदैविक त्रि० अग्नि आदि से
 उत्पन्न हुआ मुख । [पना ।
 आधिपत्य न० स्वामि-य मानिक-
 आधिभौतिक त्रि० व्याघ्र, सर्पादिक
 से उपजा हुआ । [मया
 आधुनिक त्रि० इदानीन्तन, वर्तमान,
 आधेय त्रि० एक वस्तु के ऊपर
 दूसरी वस्तु जैसे घोड़ी पर
 पुस्तक । [रोग ।
 आध्मान पु० घेदका फूलना । वायु

आध्यात्मिक त्रि० शोक मोह
 उद्यमदिसे पैदा हुआ हुआ ।
 आध्यान न० चिन्ता । शोध । प्रिक-
 मानक पु० युद्धका याना । मूदक ।
 आनत त्रि० कृत प्रणाम, यिनमयुक्त
 मानन न० मुग । मुह ।
 आनन्द पु० हर्ष । मुख । प्रद ।
 आनन्दमय पु० जिससे प्रसन्नता
 ही प्रसन्नता हो ।
 आनाय पु० जाल लाना ।
 आनाह पु० चम्पकीलम्पार । कर्ज
 आनुकूल्य न० अनुकूलता । मृमा-
 प्रिक [घटका से हुआ ।
 आनुमानिक त्रि० अनुमान से ।
 अनत त्रि० जिसके मिथ्या कार्य
 हो भूटा । भूट ।
 आनतर त्रि० बीच । बीच का ।
 आन्दोलन न० चारदशोचना, नल्लश
 आन्ध्रतिलक पु० पाचक रक्तोद्घा
 मान्योक्ति को न्या० नकविद्या । रम्य
 मन्त्रक ।
 आपाग खी० नदी । दरिया [हाल
 आपण पु० दुकान, मयविह, मय्यय-
 अपणिक त्रि० दुकानदार व्यापारी
 आपात पु० गिरनेका समय । मार्ग

आपान न० जहाँ बहुत से शराबी
 मिलकर शराब पीने हैं शराब
 पीने का स्थान । [घोड़ामोटा
 आपीन न० ऊप । पेन । स्कीत ।
 आपृच्छा स्त्री० आलाप पूछना ।
 बातचीत ।
 आतकाम त्रि० जिसने अपनी
 इच्छा पूरी करली हो ।
 आप्लव्य पु० स्थान, महाना
 आधिल त्रि० कलुषकाला नासाक
 आमरण न० भूयण । जेवरगहना ।
 आमा स्त्री० चमक । शोभा ।
 आमापण न० आलाप । बातचीत ।
 आमास पु० प्रतीति । प्रतिविम्ब
 आमोक्ष्य न० पीन । पुन्य । बार
 बार होता ।
 आमोर पु० महीर । ग्वाला ।
 आमोरपल्ली स्त्री० ग्वालों का घर ।
 आम त्रि० अपक्व । जो पका न हो
 अजीर्ण रोग । [दावत
 आमन्त्रण न० बुलाना । निमन्त्रण
 आमय पु० मारनारोग । भीषागया
 आमसंन न० सरसं छूना । विचारना
 आमर्ष पु० क्रोध । गुस्सा ।
 आमलक पु० आमलावृक्ष ।

आमाशय पु० नामि मीर स्त्री०
 बीबका माग । अपाक मा
 आमित्र न० पु० मांस । उत्कीर्ण
 आमोद पु० बहुतगन्धार्द्र फुली
 सुन्दर । काम ।
 आम्नाय पु० वेद । भागम । निर
 आस पु० आमकापेड । आमकाक
 आस्रित त्रि० बारकश बचन ।
 आय पु० आमदनी ।
 आयत त्रि० लम्बा । तूल
 आयतन न० माध्रम । बैठक । विग्रह
 स्थान । [मातहत ।
 आयस्त त्रि० आधीन । घगीभूड ।
 आयाम पु० दैर्घ्य । लम्बाई
 आयास पु० परिश्रम । मेहनत ।
 आयु पु० न० जीवनकाल । उम्र
 आयुध न० अस्त्र हथियार । प्रहर
 मात्र ।
 आयुर्वेद पु० चिकित्साशास्त्र, तिब
 आयुष्य त्रि० आयु हितकारोपय
 हितकारी ।
 आयोजन न० लगाना । जोड़ना ।
 उद्योग मिहनत ।
 आयोधन न० युद्धभूमि, लड़ना । युद्ध
 आरहजप न० भरव देशका घोड़ा ।

आरम्भ त्रि० आरम्भ किया गया ।

शुरू किया गया

आरम्भ पु० शुरू । दशरा । उद्यम
आरात् म० समीप, पास, नजदीक
आरोधन न० उपासना, पूजन, तोषण
आराम पु० उपवन । वाग
आरोग्य न० रोगका न होना, तन्दु-
रस्ती ।

आरोप पु० औरमें मोर धर्मवर्तीन
होना जैसे रस्ती में सांपका
हान ।

आरोह पु० चढ़ना । आरोहण
मार्ग पु० सत्पत्ता । सीधापन
आर्त्त त्रि० दुःखों पीड़ित ।

आर्द्र त्रि० मोटा । जलसिक्त ।

आर्द्रक न० अदरक [शुद्ध
आर्य्य पु० सज्जन । साधु स्वामी

आर्य्यपुत्र पु० पति मालिक ।

आर्यमिश्र त्रि० श्रेष्ठ मान्य

आर्यावर्त पु० पवित्रभूमि भारतवर्ष
आर्य त्रि० आर्यों से बनाया हुआ
शास्त्र

आलमन न० स्पर्श छूना पाना

आलम्ब पु० आश्रय सहारा मदद

आलम्भ पु० सम्यक्प्राप्ति भन्टे
प्रकार प्राप्त होना छूना

आलस्य पु० स्वप्न गूह घर खाना

आलस्य न० आलसी घरवा

आलस्य न० सुखी प्रमाद आलसी

आलाप पु० कथोपकथन सम्भा-

पण बातचीत [झमर ।

आलि-ली स्त्री० सेतु, पुल । सखी ।

आलिङ्गन न० नीतिपूर्वक आपसमें

मिलना । विपटना । [लीपना

आलिम्पन न० मङ्गलार्थलेपन ।

आवरण न० ढाल । पर्दा ।

आपत्त पु० जलका घुमना । घुमर ।

आपत्त न० बिलोना, आलोडन ।

आपत्तित त्रि० लीटाया गया ।

अभ्यास किया गया ।

आयश्यक त्रि० जरूरी ।

आयसथ पु० निवासस्थान । गृह

आयास पु० निवासस्थान । घर

आयादन न० बुलाना । पुकारना

आयुति स्त्री० अभ्यास । धारण

गुणना । लीटना

आयेश पु० बहुङ्कार कोषागुरुत्वा

आयेग पु० धरहरादृष्ट । विगता शोक

आशंसु त्रि० इच्छुक । उन्मेषवार

आशङ्का स्त्री० आस । डर । संशय शक

आशय पु० अभिप्राय, मतलब, भाषा

आशा स्त्री० उम्मेद । दिशा । इच्छा
 आशित त्रि० भुक्त । छाया हुआ
 आशीर्वाद पु० आशीर्षचन । मङ्गल
 यचन । अस्तीस [सूर्य ।
 आशुग पु० शीघ्रचलनेवाला । वायु
 आशुतोष त्रि० शीघ्रप्रसन्न होनेवाला
 आश्रम पु० श्रमचर्य, गृहस्थ, धान-
 प्रस्थ, संन्यस्त
 आश्रय पु० आसरा । सहारा । मदद
 आश्रित त्रि० शरणगत, शरणमें पड़ा
 आवास पु० आश्रयदान । तसल्ली
 आपाद पु० असाढ़ एक मासकालाम
 आसन न० उपवेशन । बैठना
 आसन्न न० समीप पास, नजदीक
 आस्तिक त्रि० ईश्वर और वेदका
 मानने वाला ।
 आस्तीर्ण त्रि० फैला हुआ । विस्तृत
 आरुधा स्त्री० आशा । उम्मेद
 आरूपद न० प्रतिष्ठा । इज्जत
 आरुह्य न० मुख । आनन
 आरुधाद पु० रूपाद । रस सुआद।
 आरुह्य न० युद्ध । संग्राम
 आहार पु० भोजन । पाना । [व्य
 आशीस्त्यत् अ० अथवा । प्रश्नाधिक-
 आदिनक त्रि० दैनिक, रोजाना, डेली

आह्लाद पु० प्रसन्नता हर्ष खुशी
 आह्वान न० बुलाना । आकरज।

(३)

इक्षु पु० गन्ना, मीठे रसवाला पी
 इक्षुप्रार पु० गुड, गन्नेका रस ।
 इक्ष्वाकु पु० सूर्यवंशी प्रथमराज
 इक्षित न० मनीषिप्राया आशय
 इच्छा स्त्री० अभिलाष । चाँद
 इज्या स्त्री० यज्ञ । दान । मिल
 इतर त्रि० अन्य, और, भिन्न, न
 इतरेतर त्रि० अन्योन्य । परस्पर
 [आपस
 इतम् अ० यहांसे इधरसे । य
 इतस्ततः अ० इधर उधर
 इति अ० निदर्शन प्रकार । सम
 इतिहास पु० पुरावृत्त । तयार
 इन्धम् अ० इसप्रकार । इसत
 इदम् अ० यह
 इदानीम् अ० इससमय । इस
 इदं न० दीप्त । प्रकाश । रोशन
 इधम न० काष्ठ । लकड़ी
 इन पु० सूर्य । स्यामी । मार्ग
 इन्दु पु० चन्द्र । चाँद
 इन्दुमती स्त्री० अजराजाकी र
 इन्द्र पु० सूर्य । परमात्मा

इन्द्रजाल न० कपटमाया। वाजीगरी
इन्द्रजालिक त्रि० छलिया मदारो
इन्द्रमस्य न० वैदलीनगर
इन्द्रिय न० श्रोत्र, दृश्या, चक्षु जिह्वा
नासिका, हस्त, पाद, पापु,
उपस्थ, पाक, मन । ह्यास
[इन्द्रियार्थपु० इन्द्रियो का विषय ।
शब्दादि ।

इन्द्रधन न० काष्ठ, लकड़ी
इयत्ता स्त्री०-सोमा । दद, परिमाण
इत्ता स्त्री०-भूमि। मृत्पथी । जमीन
इष्टु पु०- तोर, घाण [होतूण
इष्टुभिः पु०-जडा घाण रक्षणा जाता
इष्टका स्त्री०- ईंट
इष्टि स्त्री०- यष्ट । मत्तु । दोम
इष्ट भ०- इष्ट समय । यहां

(ई)

ईक्षण न० दर्शन । देखना
ईया त्रि०- ऐसा । इस तरह का
ईयित त्रि०- ब्याहागया । इष्ट
ईर्म न० मण । फोडा । जलम
ईर्या स्त्री०- घेर हस्त [परमेभ्यर
ईरपु०- जन्मादि से रहित ।
ईपु०- स्वामी । परमात्मा
ई भ०- भल्प । थोडा । कुछ

ईपदुष्ण पु०- कुछगर्म
ईहा स्त्री०- खेष्ट । घामछा, ब्याह
ईहित त्रि०- ब्याहागया

(उ)

उक्कन त्रि०- कथित । कहागया
उक्किर स्त्री०- कथन । कहना
उमसेन पु०- फंसका पिना
उचित त्रि०- यथार्थ । गुनासियाठीक
उद्य त्रि०- उन्नत । ऊँचा
उद्यतरु पु०- मारियलका पेड़
उद्याटन न०- उत्पाटना। उपाड़ना
उद्यार पु०- उद्यारण । कहना मल ।
विष्टा । गू ।

उद्ययच त्रि०-तरह ५के भनेकप्रकारके
उच्छिउत्ति स्त्री०-उच्छेदनाश तथाह
उच्छिष्ट त्रि०-पानेसेबचरहा भूटा
उच्छिउपंकन न०- नकिया । उपाधोन
उच्छून त्रि०-स्कीत । फूटा हुआ
उच्छेद पु०-छेदन तोड़ना विनाश
तथाह
उज्जयिनी स्त्री०-भयन्ती।पुरी उज्जैन
उज्जयल त्रि०- दीप्त । घमकनाहुमा
उच्छन पु०-ऊँचना । गिरेहुए भग्न
को घटोरना ।
उद्धीन न०- उड़ना । उछलना,

आर पु० छुटकारा । बचाव ।
 मुक्ति ।
 अतिरि० उठाया गया । उलाला गया ।
 अन्धन न० फाँसी लगाना ।
 अपने को छुटकारा
 अर्थोप पु० परिचय । याददाश्त
 अभय पु० उत्पत्ति । जन्म ।
 पदार्थ
 अत्रि० तयार । सन्नद्ध
 अम पु० उपयोग, हिम्मत, परिश्रम
 अम न० जाना । याग । धौक ।
 अंग पु० यत्न । चेष्टा । उपम ।
 अ० पियाहारादी । परिणय
 अन्न त्रि० धराया हुआ भातुर
 अन्न न० सुराँधि । दस्ताने ।
 अगड़ी
 अन्ध पु० मूक । घूहा । मूसा
 अन्त त्रि० ऊँचा । मदान् । बढ़ा
 अन्त त्रि० वृद्धि । बढ़ती ।
 अन्त त्रि० उठाया गया ।
 ऊँचा किया गया
 अयन न० पितृ । दलील ।
 उठाना
 अस पु० ऊँची नाक वाला
 अत्र त्रि० आगा हुआ । सावधान

अम्भ पु० धतूरा । पाण्ड । बीरा
 अम्भ पु० चित्तविध्वंस पागलपना
 अम्भान न० तोड़ । माप । मापना
 अम्भोलन न० अम्भेय । मैत्रका
 कोलना
 अम्भूलन न० जड़ से उखाड़ना ।
 उत्पाटन । उखाड़ना [भारम्भ
 उपम० समीपता प्राप्त होना । अधिक
 उपकण्ठ त्रि० निकट । समीप । पास
 उपकार पु० उपकृति । मदद ।
 मेहरबानी । भलाई । सदायता ।
 उपकारक पु० भलाई करने वाला
 उपक्रम पु० प्रथम । भारम्भा । शुरू
 इलाज । चिकित्सा ।
 उपकोश पु० निन्द । कोसमरनर्जना
 उपकोष्ठ पु० गर्दभ । गर्दहा ।
 उपगृहण न० भालिङ्गन । मिलना
 एकड़ना
 उपग्रह पु० कारावन्धन जेलखाना
 उपग्राह्य न० उपदीक्षित । भेंट ।
 नज़राना
 उपघात पु० अपकार । नारा खोट
 उपघय पु० वृद्धि । अन्नति बढ़ना
 उपचर्या स्त्री० चिकित्सा । दिक्कत
 उपचार पु० चिकित्सा । व्यवहार

उपरा स्त्री० उपदेश किये बिना
समझकेना । प्रथमज्ञान

उपशोक्त न० भेद । उपहार । पावन
उपपत्ता स्त्री० परत के ऊपरकी

भूमि

उपशोक्त पु० निगरोग सुहाव समी
उपशोक्त पु० ठारपाक । दूरवान

उपशो स्त्री० भेद । रिशान ।
उपशोक्त

उपशोक्त पु० शिष्टः समीह न मालीम
उपशोक्त पु० उपपत्त मुनीयन । जन्म

उपशो स्त्री० छन्द । कद । कद
उपशोक्त न० तकिरा । शिरोधन

उपशोक्त पु० छन्द । कद । छन्द । प्रातः
उपशोक्त वि० उपस्थित । हाजिर

उपशोक्त पु० उपनयन यज्ञाधीन
उपशोक्त न० उपनयन

उपशोक्त न० यज्ञाधीन । जेनेऊ
उपशोक्त पु० मद्रम । मद्रम

उपशोक्त पु० अर्थ । अमान
उपशोक्त स्त्री० उपशोक्त । प्रातः

विना जा पु० नक

उपशोक्त न० अमान । जेनेऊ । जेनेऊ
उपशोक्त पु० उपनयन ।

अमान ।

उपशोक्त पु० जार । गीतपति ।
अन्यपति [मुक्ति वलीन

उपशोक्त स्त्री० सिद्धि । संगति ।
उपशोक्त वि० मुक्तियुक्त । मुनासि

उपशोक्त स्त्री० समानता । यराशी
उपशोक्त न० जिससे समान

उपशोक्त जैसे "बांधके समान मुक्त
उपशोक्त पु० पिपाहशादीन्य

उपशोक्त वि० न्याय । ठीक २

उपशोक्त पु० लगाना । दस्तेमज
उपशोक्त वि० "टाकुमा । निदिता

मुक्त मगाना [दस्तेमज
उपशोक्त स्त्री० उपशोक्तता । विरति

उपशोक्त पु० निवृत्ति । दस्तेमज
आराम ।

उपशोक्त पु० पत्थर । दस्तेमज । [जान
उपशोक्त स्त्री० प्राप्ति । हाजिर

उपशोक्त न० उपान । पान । पान
वरी पत

उपशोक्त पु० मोहन न करना ।
उपशोक्त [हाजिर

उपशोक्त वि० समीपस्थित ।
उपशोक्त पु० कर्षा । दुला । मद्रम

उपशोक्त पु० भेद । मद्रम । उपशोक्त
उपशोक्त न० उपशोक्त । अमान

उपाख्यान न० प्राचीन समाचार
 उपागम पु० स्वीकार । मानलेना
 उपाधि पु० पदवी । छल । नाम
 उपाध्याय पु० अध्यापक मास्टर
 उस्नाद्
 उपानद् स्त्री० जूना । जूनी ।
 उपान्त पु० निकट । मज्झीक ।
 उपाय पु० साधन । उपगम ।
 दासिल [इनाम
 उपायन न० उपहार । पुरस्कार
 उपालम्भ पु० निम्न । उलाहना ।
 उपासक त्रि० उपासना करनेवाला
 सेवक ।
 उपासना न० शराम्यासगुह्यानेया
 उपेक्षा स्त्री० त्याग । छोड़ना ।
 उपेक्षाही
 उपश्रि० बोधाहुमा धान्य ।
 उपयत्त म० दोनोंस्वान्त, दोनोंजगह
 उपयथा म० दोनोंप्रकार । दोनोंतरह
 उपा पु० सर्व । सांप । मदि
 उपा म० स्वीकार । मंजूर
 उपा पु० कयच । सनाह बकच
 उपा म० पक्षवत् । छाती सीना
 उपा त्रि० स्वीकृत । मंजूर
 उपा स्त्री० उपताऊ भूमि । ज़रखेज़

उपौ स्त्री० भूमि । ज़मीन ।
 उत्पल न० उरयरी । उसली
 उत्का स्त्री० भाकारामे गिरा हुआ
 तेजका समूह [दुर्लभ
 उत्सुक न० अंगारा-लुकटाजलनी
 उद्गात पु० प्रकाश । धमक । हर्ष
 उन्नेय पु० लिखना । उच्चारण ।
 सोलना
 उन्नेय पु० चन्द्रानय । चांदनी ।
 उद्गोल पु० महानरुद्ध । बडोलदर
 उल्ल म० जरायु । गर्भको टांकने
 वाला धमकी । गढ़ा ।
 उल्ल त्रि० रूप । साफ । व्यक्त
 उल्लत पु० शूक ।
 उत्तार न० धीरपमल । समस्त
 उप पु० दिन । सुगल । रात्रिशेष
 उपस्त न० प्रत्युप । भदिमुंय सुबह
 उपा स्त्री० प्रभात । प्रातः । सुबह
 उपित त्रि० बासी । पपुंयित । जला
 हुआ
 उप पु० कमल । ऊँट ।
 उपजात पु० सूर्य । सूरज ।
 उपजागम पु० निरापकालगमो का
 समय ।
 उपजीव पु० साफ । पगही मुकट

चपेट पु० चपेटा, चप्पड़, घील
चमत्कार पु० लोकातीत वस्तु
अजीब चीज़को देखकर वस्मय
आश्चर्य

चमर पु० चीरो, चीवर
चमस पु० न० चमचा
चम्पक चमेली ।

चम्पू स्त्री० गद्यपद्य मिश्रितकाव्य
चय पु० इकट्ठा करना, गौट, समूह
चयन न० चोना, इकट्ठा करना
चर पु० गुप्त दूत, प्रणिधि जासूस
चरण न० पु० पैर, जाना, खाना
चरम त्रि० अघसान, आखिरी [जगत्]
चराचर चलने और न चलने वाला
चरित त्रि० स्थभाव, चालचलन,
लीला कथा [घ ला,

चरित्रपु० चालाक, इधर उधर घूमने
चर्यास्त्री० विचार, बातचीत चिन्ता
चर्मकार पु० चमार, चमड़े का काम
क ने वाला
चर्म न० खाल, चमड़ा
चर्मपादुका स्त्री० चमड़े काजूता
चला स्त्री० चलने वाली, लक्ष्मीधन
चलचट त्रि० अत्यन्त चंचल, काक
कीवा ।

चाटकेर पु० चिड़ियाका घंटा
चटु पु० प्यारा यचनाप्रियवाक्य
चाटपटु पु० खुशामदी,
चाणूर पु० कस का पहलवान
चाण्डाल पु० मंगी, श्वपच
चातक पु० पपीहा,
चातुंगी स्त्री० चतुराई, होशियारी
चाप पु० धनुष, कमान
चापल न० अमयस्थान बेकरार
चामीकर न० स्वर्ण, सोना, धूप
कार पु० गुप्त दूत, जासूस
चारण पु० यशकी फैलाने वाला
चाक पु० मनोहर सुन्दर
चालनी स्त्री० चलनी
चाप पु० नीलकण्ठ
चिकित्सक पु० चैद्य हकीम ड
चिकित्सा स्त्री० इलाज
चिक्कुर पु० फेश बाल
चिक्कण त्रि० गुलाब विकना
चिक्कण स्त्री० चेतनता
चिडवा स्त्री० इमलीका वृक्ष
चित त्रि० इकट्ठा किया हुआ
चिति स्त्री० चिन्ता समूह पु
चित्त न० मन बुद्धि दिल
चित्तविशेष स्त्री० मनोविकार

चित्रपु० भाग चिता
चित्र न० नखीर भूर्ति मफशा
चित्रकट पु० पारापत कवूतर
चित्रकार पु० तसखीर बन मेवाला
चित्रकूट पु० एक पर्यंत क नाम
चित्रपट पु० रङ्गपिरंगाकपडामूर्ति
चित्रपादा स्त्री० सारिका मैना
चित्रमानु पु० अग्नि सूर्य भाक
चित्राङ्गद पु० शान्तनु राजाक पुत्र
विचित्रपद का भार्द
चेन्ना स्त्री० स्त्रोत्र काका
चेन्मय पु० चैतन्यस्वरूप ईश्वर
चेरम् भ० दीर्घ । देरीने
चेरक्रिय त्रि० दीर्घमूत्री सुम्न
चेरटी स्त्री गुफास्त्र जघानमोरन
चेरतन त्रि प्राचीननिरस्तनपुराता
चेरतनत्रि प्राचीनपुरातनपुराता
चेरायुक्त त्रि बहुत समय तक
जोमेवाया [छोरा
मिटो स्त्री० कान्ची फूट कघरा
तन पु० घोल नामक पत्नी
जुक न० टोटी
जट न० लक्षण निशान
जट पु० एकदेश महीन कपडा
ज्वाल पु० धोखना बिज्जाना

जोरन पु० घस्त्राङ्ककपड़ेका दुकड़ा
जोहर न० मिथुनक घस्त्र काप म ।
जोगोटी । [जुम्बक पत्तर
जुम्बक पु० भयस्कांतमणि ।
जुरा स्त्री० तस्करना थोरी
जुलुक पु० निविडपट्ट बहुतकोच
जुल्लि-ल्लो स्त्री० झूठा झूल
जूडा स्त्री० छोटी जडाजूटमणि
जूडामणि पु० शिरोरत्न शिरकी
जून पु० चाप भाग [दुरे दया
जून पु० झून पिम्मा यस्तु पिरा
जूनक पु० झूरा फूटा हुआ
जूय त्रि० जूमने योग्य यस्तु
जूट पु० दाम, नौकर सेवक
जून् भ० यदि अगर ।
जेतन पु० भारमा । ईश्वर । कट
जोषधारी
जेतनकी स्त्री० दरोतकी । हरद
जेतना स्त्री० शुभ । बुद्धि समझ
जेतम्न न० विस । दित ।
जेत न० पक्ष । कपडा ।
जेठा स्त्री० खलन । हरकल प्रधान
जेतन्य न० जेतना । होशमे होना
जेथ पु० एकमात्रका नाम । जैन
जेथ पु० शिशुपाल

चोदना स्त्री० उपदेश। नसोदत
चोच न० प्रथासमाल पूर्वपक्ष
चोर पु० तस्कर। चोर
चोल न० चोरा। चोला। एकदेश
चोली स्त्री० कंचुक। अंगिया
चोपय स्त्री० सूसने लायक
चोल् न० सूक्ष्म। मुण्डन
चपयन न० धीरे २ चूना टपकना
चपुडि स्त्री० भरना। गिरना।

(छ)

छगडे पु० छाग। चकरा
छाग पु० छागल। चकरा
छात त्रि० कटाहुआं टिल
छात्रपु० विद्यार्थी तान्त्रिक
छादन न० टाकना। कपड़ा
छाया स्त्री० घपका न होना
छिका स्त्री० छोक
छिल्लर त्रि० घेरी। दुरमन
छिदिर पु० कुठार। चुन्ना
छिदुर त्रि० घेरी। दुरमन
छिद्र न० छेद। दूषण। छे
छुरिका स्त्री० छरी। चाव
छकाकि स्त्री० पैसाधारणन
छद् पु० काटना सोदना क
छोटिका स्त्री० चुटकी

(ज)

जगन् पु० सरदार पुनिव
जगत्प्राण पु० वायु। हवा
जगतीस्त्री० वृत्तिनी। भुवन
जगदाधार पु० ईश। वायु
जगत्प्राण पु० सरदारकाय
जगत् त्रि० जगत्प्राण वा। जगत्
जगिन् स्त्री० भोजन ना
जयन न० जगत् जगत्
जगत् त्रि० जीव। जगत्

जम्न त्रि० जाकडादिन टकाहुमा
जम्न पु० जमन। मोमका पूरा
जम्न स्त्री० जमन मोम का
जम्न न० जगत् जगत् जगत्
जम्न स्त्री० जगत् जगत् जगत्
जम्न

शक्तिसमन्वित
 न० एकान्त । तनहा
 न० अंध
 न० जटायालासिंहप्रत्यवारी
 न० उदर । पेट । कुक्षि
 न० मुख । गंगा । वैष्णव
 न० लाल । लाशा
 न० पुण्य । लोग । भादमी
 न० पिता । पाप । फादर
 न० स्त्री । सीता । जानकी
 न० जन समूह । मनुष्योंकी
 न० माता । भग्ना । मादर
 न० देश । मुल्क
 न० परीक्षितराजाकापुत्र
 न० केपदन्ती कदायत
 न० लोगोके रहनेकी जगह
 न० उत्पत्ति । पैदाइश
 न० जन्मका मदीना
 न० दूसरा जन्म
 न० धीरुष्णजी के
 न० निधि । भाद्रहृष्णा
 न० जायमान । पैदाहुवा

जप ५० बारमन्त्रकोधीरे पढ़ना
 जन्मद्वि पु० परशुराम के पिता
 जम्पनी पु० पुरन स्त्री । पतिपत्नी
 जम्वाल पु० पट्ट कीचड़ कीच
 जम्बु-म्बू स्त्री० जामुनका वृक्ष
 जम्बुक पु० गोदड़ । स्यार
 जय पु० जीत । फातह
 जयदवका स्त्री० जीतकी मुतादी
 जयद्वय पु० दुर्मोघनको पति
 का पति
 जयन्ती स्त्री० पताका । झंडा
 जयपत्र न० जीतकापत्र । फतहनामा
 जया स्त्री० शरीतकी । तथिममूह
 जरट्रि० कठोर । जीर्ण । बूढ़ा । वृद्ध
 जरन् त्रि० पृथ । बूढ़ा । जर
 जरन्त पु० भैंसी । बूढ़ा
 जरा स्त्री० बुढ़ापा । पृथ्वायस्था
 जर सव्यपु० पृथ्वीकापुत्र एकराज
 जरर पु० न० बूढ़ा । फटाहुमा
 जर त्रि० मुख । उदर । पाना
 जरकरटक पु० सिंघाडा
 जरवर पु० जरजन्तु पत्नीकाजीय
 जरज पु० पत्नीमें उपजीवस्तु समस्त
 जरद पु० मेघ । बादल
 जरधर पु० बादल । समुद्र

जलधि पु० समुद्र । सागर
जलनिधि पु० समुद्र । सागर
जलनिर्गम पु० पानीका निकास
जलमाय न० जहां बहुत पानी हो
ऐसा स्थान

जलधुदधुद न० पानीका बुलबुला
जलमार्ग पु० प्रणाली, मोरी, नाली
जलमुख पु० मेघ । बादल
जलज्यालपु० पानीमें रहनेवाला सांप
जलहास पु० भाग । फेंक
जलायसंग पु० पानीका घुमना । भँवर
जलका स्त्री० जीक जलजन्तु
जलेश्वर पु० पानीमें रहनेवाला जीव
जलेश्वर पु० समुद्र । मूर्ध
जलीका स्त्री० जीक

जलपु० वातागण्य वक्रवाद् । पादी
जलपु० बहुत बोलनेवाला वक्र
जलनिका स्त्री० काना । पदी
जलनन० जलाना यथस घास विशेष
जागर पु० जागना मोदकानही होना
जागरित वि० जागृत मा खतुर
जागर्या स्त्री० जागरण, जागना
जाग्रत वि० जागा हुआ । पाया
जाग्रत वि० बनें होनेवाला । रहने
जाग्रत वि० प्रकट जगम, पैदाइश प्रगल्भ

जातयेदस् पु० अग्नि । भाव
जाति स्त्री० जनन । जगम ।
जातिफल न० जायफल
जातु भ० कमी । नि सन्देह
जातुप वि० लाख से बना

लाख की धीज
जातेष्टि स्त्री० जातकर्म संस्था
जात्य वि० कुलीन । सन्देह
जात्यन्ध वि० जन्मका भ्रम
जानकी स्त्री० जनककी पुत्री । स
जानपद वि० देशका, देशमें प्रया
जानु न० घुटना । मोड़ ।
जामदग्न्य पु० परशुराम ।
जामात पु० जामाता । दामा
जामि स्त्री० स्त्री । औरत
जायाजीन पु० जो स्त्रीके भाँ

जोता है । नट
जायु पु० भीषण । दया
जार पु० उपपत्ति । पार
जारज वि० कुण्ड । दरामी
जाल पु० पाला । जाल
जालिक वि० वागुरिक शिकारी
जालम वि० घामर नीचावे रहम
जालीया स्त्री० गङ्गाजाली
जिगीया स्त्री० जीननेकी (पुर्ण)
जिजातु वि० जाननेकी दृष्टि

ज्वलन पु० बह्नि । आग । दाह जलन
ज्वलित त्रि० दग्ध । दांत । उज्ज्वला
चमकीला ।

ज्वाला-ला पु० स्त्री० धमिनकोलपट
ज्वालामुखी स्त्री० वह पहाड़ जिस
में से आग निकले ।

(भू)

भूभा स्त्री० एक प्रकारकी ध्वनी
बड़ी हवा

भूटिनि अ० शीघ्र, भट, उसीचक

भूमि पु० कूदना

भूर पु० भरना

भूलक पु० न० मजोरा

भूदरी स्त्री० ढोल

भूप पु० मत्स्य मछली ।

भामक न० भामा यदुत एकीद्विईद

भिलो स्त्री० भोगुर

भुरट पु० भाद्री । स्तवक

(ट)

टट्ट पु० का० कोय तरवार छेनी

टट्टका० रत्नमुद्रा चांदीका रुपया

टट्टन पु० मुहावा

टिटिम पु० टिटिहरा, गशी

टिपना स्त्री० टोका । नोट

टोका स्त्री० तिलक, वृत्ति, बर्ण

ठक्कुर पु० ठाकुर । चौथरो

डमरु पु० डोर, एक धाजा

डलक न० टोकरा, डला

डिम्ब पु० शिशु बच्चा, भण्डा ड

डिम्भ पु० शिशु, बच्चा, भूर्व

डोन न० उड़ना ।

(ढ)

ढक्का स्त्री० ढोल, ढालक ।

(त)

तन न० मट्टा छाछ चौथाभाग

तक्षक पु० यद्वै निखान, कारी

तच्छोल त्रि० उस स्वभाव

तट त्रि० कुल । किनारा ।

तटस्थ त्रि० तीरका ।

तडाग पु० तालाब ।

तटिनी स्त्री० नदी ।

तडाग पु० तट

तटित् स्त्री०

तट्टल पु०

तत् भ० हेतु

तत त्रि०

ततस्थ त्रि०

तति

ज्वलन पु० वह्नि । आग । दाह जलन
ज्वलित त्रि० दग्ध । दोस्त । उज्ज्वला
चमकीला ।

उज्जाल-ला पु० खी० ध्वनि की लपट
ज्वाला मुखी खी० वह पहाड़ जिस
में से आग निकले ।

(भ)

भङ्गा खी० एक प्रकार की ध्वनी
बड़ी हवा

भटिति अ० शीघ्र, भट, उसी वक्त

भम्प पु० कूदना

भर पु० भरना

भल्लक पु० न० मजोरा

भल्लरी खी० ढोल

भप पु० मत्स्य, मछली ।

भामक न० भामा । बहुत पकी हुई ईंट

भिलो खी० भौंगुर

० भादो । स्तवक

(ट)

पतरवार छेनी

० चांदी का पया

१६

टहरा, पशी

टोका । नोट

टोका खी० तिलक, वृत्ति, अंश

ठक्कुर पु० ठाकुर । चौधरो

डमरु पु० डीरु, एक राजा

डल्लक न० टोकरा, डला

डिम्प पु० शिशु बच्चा, भण्डा ०

डिम्भ पु० शिशु, बच्चा, मूर्त

डोन न० उड़ना ।

(द)

दक्का खी० ढोल, ढोलक ।

(त)

तक न० भरठा छाछ बोधाभाव

तक्षक पु० बढ़ई । तखाना ।

तच्छोल त्रि० उस स्वभाव का

नट त्रि० कुल । किनारा । [

नटस्थे त्रि० तीरका । किनारे का

तडाग पु० तालाब । ताल ।

तटिनी खी० नदी । दरिया ।

तडाग पु० सरोवर । तालाब

तडित् स्त्री० बिजली । बिजुत्त ।

तण्डुल पु० चावल ।

तत् अ० हेतु । इसलिए

तत त्रि० फलानुभा, घिरानुभा

ततस्थ त्रि० वहां होनेवाला

तति स्त्री० पङ्क्ति । धोनी

वोषमादिन त्रि० जो दोषों को ही
लेता है गुणोंको नहीं दुर्जन
वोषत्रय त्रि० पण्डित वैद्य हकीम
वोषत्रय न० पात पित्त कफ साकरा
सौरा बलगम

बोरा अ० रात्रि रात

बोरा प० दुहना पुग्ध दूध दीहनी
बोरा न० स्त्री० जिहमे दूध मुहाजावे
दुहनेका यत्न भोग्यामोहोता है

बोरा स्त्री० एक प्रकारका छन्द जो
बोधनमय न० चिन्ता प्रेम्हीनोषयगदह
बोरा रिक्त प० जारपात्र दरपान
बोरा पु० नीच कुलमें उपजात
बोरा पु० बड़कोंका लड़का प्रेयता
या तापुष्यी स्त्री० भूमि भाकाश

अनेक भागमान

ब० पु० अग्नि भुयं भाकाश [चमक
ब० पु० अग्नि भुयं भाकाश [चमक

ब० पु० अग्नि भुयं भाकाश [चमक

ब० पु० अग्नि भुयं भाकाश [चमक

ब० पु० अग्नि भुयं भाकाश [चमक

ब० पु० अग्नि भुयं भाकाश [चमक

ब० पु०

ब० पु० अग्नि भुयं भाकाश [चमक

ब० पु० अग्नि भुयं भाकाश [चमक

ब्रह्मिन् पु० दृढता पुष्टि मन्त्र
ब्रह्म पु० बहनेवाला पस्तु रक्त
ब्रह्मत्व न० बहनेका कारण
ब्रह्मद्रव्य न० बहने वाली चीज
ब्रह्मिन् पु० एक देश उत्तर देश

रहने वाला

ब्रह्मिन् न० चित्त, धन, पराक्रम
ब्रह्म न० पृथिवी भादि धन
ब्रह्म त्रि० विचारशील, सासी, तापी

ब्राह्म अ० शीघ्र, भद्रिनि, ज्ञा

ब्राह्म स्त्री० ब्रह्म कितमिश

ब्राह्मिन् पु० ब्रह्म कितमिश

ब्राह्मिन् त्रि० ब्रह्म कितमिश

ब्राह्म पु० ब्रह्म कितमिश

ब्रु पु० गृह शाखा डाढ़ी

ब्रु पु० अग्नि विद्यता ब्रुजा

ब्रु पु० गृह दरवाजा

ब्रु पु० अग्नि विद्यता ब्रुजा

ब्रु पु० गृह दरवाजा

ब्रु पु० अग्नि विद्यता ब्रुजा

ब्रु पु० गृह दरवाजा

ब्रु पु० अग्नि विद्यता ब्रुजा

ब्रु पु० गृह दरवाजा

ब्रु पु० अग्नि विद्यता ब्रुजा

ब्रु पु० गृह दरवाजा

ब्रु पु० अग्नि विद्यता ब्रुजा

धायक पु० धोबी, रंगरेज, शीघ्रगन्ता
 धायन न० साफ़ करना, जलद जाना
 धिक् अ० धिक्कार छि भिड़कना
 लानत [वेशजती
 धिक्कार पु० तिरस्कार निरादर
 धिपणा० स्त्री० बुद्धि, अकल, समझ
 धिष्ण्य न० स्थान गृह जगह
 शक्ति अग्नि
 धो स्त्री० बुद्धि गति, अकल, समझ
 धोसचिच पु० मन्त्री यज्जोर दीवान
 धोमत्पु० पण्डित, चतुर समझदार
 धीति स्त्री० पीना चूसना प्यास
 अंगुली ध्यान [पली] पण्डित
 धीरत्रि० धीरज वाला नम्र हलीम
 धीवर पु० धीवर कहार
 धीसल पु० अमात्य, यजीर मन्त्री
 धुन त्रि० छोड़ा गया, कांप गया,
 कम्पित
 धुनि-नी स्त्री० नदी दर्या
 धूरवर त्रि० योभा सहारनेवाला
 योभा लेवलनेवाला रेल आदि
 धुरीण त्रि० ध्येष्ट अच्छा योभा
 उठाने वाला
 धुर्य त्रि० भार उठानेवाला अच्छा
 धूत त्रि० कम्पित, चला गया छोड़ा गया

धूप पु० सुगन्धित सामग्री
 धूम पु० धुआं
 धूपकेतन पु० एकतारा, नाना
 धूमयोनि पु० मेघ बादल
 गोली लकड़ी
 धूमल पु० धुएँ कैसा रङ्ग वाता
 धूम्या स्त्री० धूमका समूह
 साधन
 धूम्रक पु० कमेल ऊँट [हो] हो
 धूम्रलोचन पु० जिसके नेत्र
 धूर्जटी पु० शिव बम्बोला
 धूर्त पु० यद्गक, धतूरा
 धूर्तक पु० शगाल स्वार
 धूर्वह पु० धूरन्धर
 धूलि-ली स्त्री० रेत धूर
 धूलिध्वज पु० वायु हवा
 धूसर पु० गदभ गदहा
 धूतराष्ट्र पु० दूर्योधन का
 धृति पु० तृष्टि पकड़ना
 प्रसन्नता धीरज [४]
 धृष्टुत्रि० निर्लज्ज योशम
 धृष्ट त्रि० निर्लज्ज डोड
 धृष्टमन पु० दुष्ट राजा
 धेनु स्त्री० गाय गेया
 धेनुक पु० धेनुओं का समूह

नटन न० नाचना नृत्य
 नटी स्त्री० वेश्या कजरी नटनी
 नत त्रि० नम्र भुकाहुआ
 नतनासिक त्रि० जिसकी नाक
 झुकी हो
 नति स्त्री० प्रणाम नम्रता भुकना
 नद पु० स्वामाधिक जलका प्रवाह
 नदी स्त्री० पर्वत से निकलनेवाला
 जल का प्रवाह दरिया
 नदीज त्रि० जो नदी में पैदा हो
 नदीन पु० समुद्र सागर
 नदीमानक त्रि० समुद्र सागर
 नदीष्ण त्रि० नदी में तिरनेवाला
 नख त्रि० घंथाहुआ मिलाहुआ
 ननन्द स्त्री० पतिकी चहिन ननद
 ननु अ० प्रश्न सवाल यकीनन
 बुलाना सम्बोधन
 नन्दय पु० हर्ष खुशी
 नन्दन पु० पुत्र खुश करनेवाला
 नन्दिनी स्त्री० वसिष्ठजी की गाय
 नपुंसक पु० फलीय हीजड़ा
 नपु पु० पोत्र नाती पोता धेयता
 नम पु० न० साधनका महीना
 भाकाश आसमान
 नमधर पु० मध यादल पायु हवा
 पक्षी सूर्य आदि ग्रह

नमस् न० १०
 नमस्य पु० भाद्रपद भादों
 नमस्वत् पु० वायु हवा परे
 नमोमणि पु० सूर्य सूरज भादों
 नमस् अ० नति भु कना
 शब्द करना [सलाम
 नमस्कार पु० नमन
 नमस्य त्रि० नति करने के
 नमस्कार करने के लिये
 नमेरु पु० रुद्राक्ष वृक्ष
 नम्र त्रि० चिनयान्वित
 नम्रक पु० धेतस वैंत नम्र
 नय पु० नीति न्याय नेता
 नयन न० पहुँचाना नेत्र प्राँव
 नर पु० परमात्मा पुंस्व
 नरक पु० पापियों के
 मय फल भोगना दुःख
 नरककुण्ड न० पापियोंके
 भोगने की योनि स्थान
 नरदेव पु० नरोंमें देवता
 नरपति पु० भूपाल राजा
 नरपु गध पु० मनुष्यों में
 बहुत अच्छा
 नरमेध पु० अश्वेष्टिम्
 धन्तिम आहुति
 नरयाहन त्रि० जिसके मनुष्य

नादिन्धम पु० स्वर्णकार सुनार
नाडि-डी खी० नाड़ीनस घड़ीनाली
नाणक पु० प्रशस्त अछा मोहर

आदि जिसपर लगी हो

नाथ पु० अधिपति स्वामी मालिक
नाद पु० शब्द आवाज़ ऊँचा शब्द
नादेय न० नदीका के की पानी आदि
नाना अ० अनेक बहुत कई किस्म
नानार्थ त्रि० जिसके बहुत मतलब
निकले

नापित पु० नाई गाऊ नीआ

नाभि पु० टूँडी पहिये का धुरा
मुख्य राजा [सम्भावना

नाम अ० स्वीकार विस्मय स्मरण
नामकरण न० नाम धरना एक
संस्कार

नामधेय न० संज्ञा नाम इस्म

नामन न० संज्ञा नाम इस्म

नायक त्रि० नेता लेजानेवाला

प्रभु स्वामी मणि सेनापति
नायिका खी० प्रेम में भरी हुई
युधती खी०

नार पु० बालक पानी नरोंका समूह
नारक पु० नरक नरकको सामग्री
नारङ्ग पु० नारंगी । गाजर

नारद पु० जलद गदग एक

फ़िसादी आदमी

नाराच न० बाण तार हाथपर

नारायण पु० विष्णु ईश्वर

नारिकेल पु० नारियल का

नाल न० कमलका ड डी

नाचिक पु० मल्लाह डेवर

नाच्य त्रि० नाचसे उतारने के

नाश पु० अदर्शन न०

न मिलना पलायन

नासा खी० नासिका नक

नासीर न० जागे

सेना का मुख

नास्ति न० अविद्यमानता न०

नास्तिक त्रि० ईश्वर

वेदको न माननेवाला

नास्तिकता खी० नास्तिकता

रियापन

निःशेष त्रि० निखिल

निःश्रेयणी खी० नसेनीसी

निःश्रेणि जी खी० काष्ठ

सीढ़ी नर्सनी

निःश्रेयस न० मुक्तिदुष्कार

निःश्वास पु० श्वास सांस

निःसत्व त्रि० निर्बल

निचोल पु० पलंगपोश डोलीका
पड़दा खी पिधानपट बुका
हुपट्टा चादर [अपना

निज त्रि० आत्मीय स्वाभाविक
निटल न० माथा कपाल खोड़ी
नितम्ब पु० चूतड़ कमर
नितराम् अ० सुतराम् सदा अति-
शय विशेष

नितान्त न० एकान्त बहुतही थिलकुल
नित्य त्रि० तीनोंकाल में एकरस
पाला सदा हमेशा

नित्यकर्म न० सन्ध्यावन्दन
नित्यदा अ० सातत्य सदा हमेशा
नित्यमुक्त पु० सदा छूटा हुआ
बन्धन रहित परमात्मा

निदर्शन न० उदाहरणमिसालद्वारा
निदाघ पु० उरण धर्म गर्म गर्मी
का पल

निदाघकर पु० मूर्ख सुरत
निदान न० आदिकारण रोगका
सर्व शुद्धि प्रकार [रहना

निदिध्यासन न० मननकरना मग्न
निदेश पु० आज्ञा शासन हुक्म
करना निष्कट भाजन

निश श्री० शयन सोना नींद

निधन न० मृत्यु मौत मरना
निधान न० निधि सज्जाना
निधि पु० कोश खजाना
निधीश पु० कोषाध्यक्ष खजाना
कोशका स्वामी

निन-नाद पु० ध्वनि
निन्दा श्री० अपवाद गर्दा
वदनामी [१०

निपत्या श्री० युद्धभूमि लड़ाई
निपात पु० अन्तिम गिरना
व्याकरण में 'च' भाषि

निपान न० व्याज तालाब
निपीडित त्रि० दयाहुआ
निपुण त्रि० चतुर दक्ष

नियन्ध पु० प्रतिज्ञा ग्रन्थ
बन्धन
निभृत त्रि० घृत घी शिथिल
निश्चल गुप्त निधन

निमज्जभुषु०
निमज्जन न० अवगाह स्नान
धुसकर नहाना

निमग्नण न० अज्ञापूर्वक मोह
मुग्धाना आह्वान बुझाया
निमित्त न० कारण हेतु सार

निमित्तकारण न० घटके
कर्मकार निमित्त कारण

निरुक्ति स्त्री० निर्वचन किसीशब्द
 के विषयमें पूरा २ कहना
 निरुद्ध त्रि० अविचारित विना व्याहृ
 निरुद्धि स्त्री० प्रसिद्ध मशहूरी
 निरूपणन० विचार निदर्शन दृष्टान्त
 निरूपित त्रि० नियुक्त किसीकाम
 में लगाया गया रचा गया
 निरोध पु० नाश तथाही दकावट
 निरोधन न० कारागार जेलखाना
 बन्दकरना
 निर्गुण पु० जो जिसमें गुण न हो
 यह उससे निर्गुण है
 निर्गुण त्रि० निर्दयी बेरहम
 निर्घोष पु० शब्दमात्र हर तरहकी
 भावांज
 निर्जन्त त्रि० विजित पराजित तनहाई
 निर्जल पु० जो बुढ़दान हो बुढ़ापा
 रहित
 निर्मल पु० प्रसाद भरना स्रोत
 निर्मल पु० निश्चय यकीन ज्ञान
 सन्देह [शोधित
 निर्मित त्रि० साफ किया हुआ
 निर्मलक पु० रत्नक धोखी
 निर्दिष्ट त्रि० उपदिष्ट बतलाया हुआ
 कथित [प्रथम
 निर्दिष्ट पु० शासन सिद्धान्त याथा

निर्धन पु० धनरहित
 निर्धारण न० भिन्न करना
 मनुष्योंमें क्षत्रियशूद्र
 निर्धारित त्रि० वृत्तनिश्चय
 निर्द्वन्द्व त्रि० सर्वप्रकारके
 से निकला हुआ मुक्त
 निर्वन्धपु० व्यापक हृदय
 निर्वाध त्रि० सुसम्पन्न
 निर्भय पु० अच्छा घोड़ा
 निर्भर न० जहां सब थोका
 मात्र निहायत
 निर्मक्षक अ० मन्त्रीकार
 निर्मल त्रि० सुन्दर साफ
 कोई प्येव न हो
 नियन्तन न० घेरशुद्धि
 देना लोटकर देना
 नियन्त पु० मोद वृक्षका
 निर्वचनन० निरुक्ति अर्थ
 निर्वाण न० नाश समाप्त
 सुदृढकारा
 निर्वाह पु० लोकापवाद
 निर्वाणन० मारना देना
 निर्वासन न० देश
 निर्वाह पु० कार्यसम्पन्न
 जीविका गुण

नर पु० जन्ममरणसे रहित	निषात पु० पायु रहित स्थान
पर	आधय भासरा
शस्त्री० किशमिश (मौन)	निवास पु० घर आधय[छेकरहित
न ग्री० सुख सुस्थिति मुक्ति	निषिद्ध त्रि० सान्द्र घना मोटा
साय० निरुपन्न पूराकियाहुआ	निर्घात न० गलेमें लटकाहुआजनेऊ
पु० अनुनाप धिराम्य उदा-	निगृह्य न० निषेध निरतहराहुआ
सोनता	निगृह्य ग्री० उपरम विरति हटना
श पु० भोग घेतन मजबूरी	निगृह्य ग्री० उपरम विरति हटना
गलेन दियाह। घाति	निषेध १० सम्मानपूर्वक स्थापन
दि त्रि० एक छोटाहुआपूण	दरखवास्त
ज पु० तरोतर लेजाना दाह	निषेध पु० विन्यास घरना शिविर
तकालेजाना	छावना दियाह शादी स्थान
र पु० उपाड़ना उद्धरण	निवेशन न० घरप्रवेश दाखिलहोना
काय में लगाना शय को	निश-शा स्त्री० रात्रिरात
शहर लेजाना	निशाकर पु० चन्द्र चन्द्रमा चांद
द १० शब्द भावाज	निशाकर पु० रात को चलनेवाला
य पु० निवासस्था रहनेको	घोर डाक उलू चकपा
जगह घर [को रोककर	नशित त्रि० तंजित तीक्ष्णहृत
इ १० पंचतका नियमपाली	पैना किया गया
इ १० हटानाखीचगंगजभूमि	निशान न० तीक्ष्ण तेज पैना
ज न० मारण मारना	निशान्त न० गूढ़ बहुतशान्त
नति ग्री० निवास गृह घर	निशापति पु० चन्द्रमा चांद
अथ पु० प्राम गाय	निशीथ पु० आधीरात मधरात्रि
न न० घर पछ कपड़ा	निश्चय पु० निर्णय फैसला यकीन
पु० समूह झुपड़ गिरीह	पक्का

पट्ट न० नगरमुखक चतुष्पथ चौराहा
 पट्टदेवी स्त्री० पट्टरानी राजमहिषी
 पत्तन न० प्रधाननगर राजधानी
 पण पु० पैसा मूल्य कीमत
 ताघ्र तामा भूति मजदूरी छूत
 जुआ ग्लह दांच नियम व्यवहार
 पणन न० विक्रय बेचना
 पणय पु० स्त्री पट्ट ढोल
 पणाया स्त्री० व्यवहार देनलेन
 पणितव्य त्रि० विक्रोतव्य खरीदने
 योग्य स्तोतव्य तारोफकेयोग्य
 पणित पु० तरयञ्ज भालिम चतुर
 दाना
 पणितम्भन्य पु० भगने को बदफर
 मानने वाला घमण्डो
 पणययोघो स्त्री० विक्रोयशाला
 विपणि दूकान । हाट
 पणयग्री स्त्री० पेग्या रंछी
 पणयाजोय पु० पणिजन व्या-
 पारी बनिया
 पणन पु० पक्षी विहङ्गम परिम्वह
 पणन पु० गलन मूर्य पक्षी
 पणन पु० पक्षी परिम्वह
 पणन पु० पक्षीमोका पर-पक्ष
 पणन पु० पक्षी परिम्वह

पताफा स्त्री० भूखंडीभूखंड
 पति पु० स्वामी मांडिक
 पतित त्रि० नीच अपरे
 गिरा हुआ
 पतिवरा स्त्री० बहुकन्या
 आप पति को स्व-
 पतिवत्नी स्त्री० सपरा
 पतिव्रता स्त्री० सती पति
 माननेवाली
 पति पु० पैदल चलनेवाला
 पत्नी त्रि० पैदल चलनेवाला
 पत्र न० पाहन सयारी धो
 पत्राञ्जन न० मसो स्वा
 पत्रिन् पु० सयार पक्षी
 पथ पु० मार्ग रास्ता
 पथिक त्रि० रास्तेगांर मु
 पथिन् पु० मार्ग रास्ता
 पथ्य त्रि० हितकारक मु
 पत्र न० खोया हिस्सा
 पत्रुग त्रि० पैदल पावले
 पदवि-यो स्त्री० पदवि
 पदाति पु० पैदलपा
 पदार्थ पु० भूमिपेव
 पदम पु० पैदलपद

चित्ति-तो स्त्री० पण्डित् स्त्री० पण्ड
रस्ता पौधो
पन० कमल नाड़ीचक्र धातुसोस
। प्रपन्तु पु० सूर्य प्रमद भीरा
। प्रपग न० लाल रंगको एक प्रकार
को मणि
। प्रा स्त्री० सरस्वी लवंग लौंग
। प्रासन न० कमलके फूलकी तरह
बैठना
। प्रिनी स्त्री० कमलोंका समूह बेल
। प्रय न० कविता तम श्लोकभादि
पनस पु० कटहर कटदल
पन्न त्रि० गलित, च्युत गिरा हुआ
पन्नन पु० सई साप
पन्नगानन पु० गण्ड मोर
पण्या स्त्री० एक नदी
पयस् न० दुग्ध दूध जल पानी
पयस्विनी स्त्री० दूध वाली धेनु गी
पयोधर पु० स्तनभाविन मेघ बादल
पयोधि पु० समुद्र सागर समुन्द्र
पयोमत न० केवल दूध पीकर
निर्गोह करना
पर त्रि० भिन्न भेद भः प्रगल्भाशु
पदयत् न० सीधे अधिक मन्त्र
परदयन् भ० भगळे दिनसे परता
दिन परसी

परमहन् न० एक हजारसे ऊपर
की संख्या
परकोय त्रि० दू सरेका भाषकाबोकी
परपठन् पु० पराधीन विपक्ष
परजात त्रि० दूसरेसे पंदा हुआ
भन्ध से पाला गया
परतन्त्र त्रि० पराधीन बंधन
परपिण्डाद् त्रि० दूमरे के भ्रमको
माने वाला
परमाण पु० बहुत बड़ा अचूत
हिरुता दूमरे का हिरुता
परम् भ० विषोक्तोपदेयतमकार
परम त्रि० उत्कृष्ट प्रधान बड़ा
प्रथम प्रपथ । कर्तृ
परमम् भ० अनुका दुःख स्वीकार
परमर्षि पु० भेद्युक्तप्रकारेण प्रेरक
परमहंस पु० सन्नासी महाः महात्मा
परमाणु पु० अर्ध सूत्र का अंश
सूत्र-म भंता जो सारांशोंमें सूत्र
किरकी से विहित होता है
परमात्मन् भ० परब्रह्म ईश्वरब्रह्मा
परमान्न न० खीर दूध में एका
हुआ भन्ध
परमेष्ठर पु० अगत् की उत्पत्ति
स्थिति भौत प्रलय कर्ता
कथर्ता राजा

पीत न० पानपीनाहरितालपीलारंग
पीतक न० कुङ्कुम केसर हरिताल
पीतल

पीतवासस् पु० पीलेवस्त्रोवाला
पीन त्रि० स्थूल मोटा बूझ पूर्ण
पीनत पु० नासिका का रोग
जुकाम खांसी

पीयूष न० ममृत सुधा दूध
पीतु पु० परमाणु हाथी । पायु
पीयन त्रि० मोटा स्थूल बलवान्
पीयर त्रि० स्थूल मोटा तरुणी गो
पुलिङ्ग न० पुंस्वरका चिह्न एक-
प्रकारका भंग मुजबकर

पुंभली स्त्री० दयभिचारिणी
यदमाश धीरन

पुंशवन न० द्वितीयसंस्कार जिस
से पुंस्व हो

पुंस्व पु० पुंस्वरय मनुष्यता
इत्याजयत । गूरा

पुंस्व पु० याजमूल नीरकाविरा
पुंस्व पु० पुंस्व योऽधोऽत्तम

पुंस्व न० पुंस्व पीठ का हिस्सा
पुंस्व पु० शीघ्र चय समुद्र गिर

पुंस्व न० पुंस्व पुंस्व पुंस्व पुंस्व
पुंस्व न० पुंस्व पुंस्व पुंस्व पुंस्व

पुटिका स्त्री० पला
पुटित त्रि० प्रथित पीठा
हुभा

पुण्डरीक पु० सफेद
पुण्ड पु० एक प्रकारका
पीठा

पुण्य न० धर्म । भग्ना
पुण्यजन पु० भ। पीठ

पुण्यभूमी स्त्री० पर्व
आर्यावर्त । प्राक

पुत्तिका स्त्री० धुइका
पुत्र पु० तनय भाग्य

लङ्का
पुत्रक पु० वेदा । पुं

कृत्रिमपुत्र मनुष्य
पुत्रिका पु० पुंस्व लङ्का

धेयता
पुत्रेष्टि स्त्री० पुत्रेष्टि

पुनः पुनर् न० पुनर्
पुनः संस्कार पुनर्

जनेऊ ध्येष्ट
पुनर् न० मयधारणी

पुनर् न० पुनर् पुनर्
पुनर् न० पुनर् पुनर्

पुनर् न० पुनर् पुनर्
पुनर् न० पुनर् पुनर्

रद्वि० भाषेजानेवासा भान्य
 ॥ घर । शरीर । नगर । शहर
 दो० नगरी । शहर
 न पु० डोव । कड़ । सोंल
 नू व० आगे से । मानने से
 ॥ पु० इन्द्र । विजयी चोर
 काली मिश्र । स्त्री
 निजनी खी० गोबुधुदुमिनी
 नू व० भागे पहिले समय में
 कर पु० भागे करना पूजन
 नमः । [क्रिया गया
 ॥ न वि० पूजा गया भ गे
 मान न० भागसे । मानने से
 भ० पहिले समय । पास
 प वि० जिस पृथक् में प्रा
 चीन मूल ही
 नन वि० पुराना । पहिलेका
 पूछ न० प्राचीन समाचार
 वन० विष्ठा । मल । नू ।
 ॥ कर पु० पीछ । उद्योग
 ॥ तह पु० पृथगे भेष्ट ।
 सज्जन जन
 ॥ पं० उद्योग । पन० कप
 काम मोक्ष
 ॥ सम प० उत्तमजन भेष्टनर

पुंलिंग वि० अग्रगामी भागे जाने
 वाला
 पु० दास पु० दण्डका दण्ड । बह
 पुंलिंग पु० पुंलिंग । नाया
 पुंलिंग पु० भागे किया हुआ ।
 रिजवाइने पाना
 पुंलिंग पु० रोमांच । अगुहा
 पुंलिंग पु० जलो । पान । पान्य
 पुंलिंग पु० सधे । शस्त्राग्न
 अन्नामन
 पुंलिंग न० पानोसे निकला कि
 नारा टापू जलो ।
 पुंलिंग वि० शलाघुमा पररिधि
 किया हुआ ।
 पुंलिंग न० पानी । निपात कनक
 पुंलिंग वि० धेष्ट । नेक । पयांत
 काकां
 पुंलिंग वि० पोषण । पालन पटना
 पुंलिंग न० कमुन । फूल नेशरीन
 पुंलिंग पु० बहुत फूलोंवाला
 महीना चंद्र । [दुमनिपात
 पुंलिंग पु० फूलोंका रस ।
 पुंलिंग पु० समर भीत ।
 पुंलिंग न० पलास्तर । चित्रकारी
 किठाव

प्रतिभू पु० पयज्ञी लग्नक ज्ञामिन
प्रतिमा स्त्री० सवृशोकरणतसवीर
फोटो [प्रतिमा

प्रतिमान न० प्रतिबिम्ब परछाहीं
प्रतिमुक्त त्रि० परिहित पहिरागया
छोड़ा हुआ धोधा गया लगा-
या गया

प्रतिपदन पु० याऽछाहूँछाउपग्रह
निग्रह रोकना संस्कार लेना
मेहनती [जैसी पीड़ा

प्रतियातनास्त्री० प्रतिमा तसवीरएक
प्रतिष्ठा न० प्रतिच्छाया प्रतिबिम्ब
तसवीर चित्र

प्रतिपिरोध पु० याधरोकप्रतिपन्ध
विघ्न निरोध तिरस्कारचोरी

प्रतिशोभ त्रि० याम विद्युत्उलटा
प्रतिशोभ त्रि० यमशंकर खोपला

प्रतिस्थान न० उत्तर जयाप
प्रतिष्ठा पु० स्त्री० प्रत्यर्था
मुद्रालय

प्रतिवात्मन पु० स्त्री० पारा रहने
वाला पड़ोसी [वरुणा सेना

प्रतिविधात न० प्रतीकार उपाय
प्रतिवन्दन न० प्रतिष्ठापात्रछाहीं

प्रतिवन्दन न० दुःखकरना विरुद्ध
न० ४१

प्रतिध्व

इकरार

प्रतिषेध पु० निषेध

प्रतिष्ठा पु०

प्रतिष्ठा स्त्री० पृथिवी

प्रतिसर पु० सेनाका

हस्तध्व

प्रतिसां पु० विद्वत्

प्रतिभोरा स्त्री० प्रतीक

पड़ना

प्रतिहत त्रि० परहित-

गया उलट करती

प्रतीहार पु० प्रारण

वरयात्रा

प्रतीक पु० भयपत्र विभ

प्रतिष्ठा

प्रतीक्षा स्त्री० भोगी

प्रतीक्ष्य त्रि० पूरा

लावक

प्रतीत त्रि० क्वात्त प्रती

प्रतीति स्त्री० हस्त

भादुर हर्ष

प्रतीति त्रि० प्रतिफल

प्रतीति न० चिन्ता

द पु० कथा कांडा आशु क
 ली ली० रम्या गली कृष्ण
 न त्रि० पुरातन पुराणा ।
 यस्त म० रन्ध्रियजन्यमान रन्धि-
 योंकी मान्यमात ।
 यम १३० भागें हुआ प्राथमिक
 यष्ट त्रि० पञ्चमकाल विहस्ता
 समय प्रतीनी
 प्रतीक पु० असकं सेना विहस्त
 हो विम रोक ।
 यमियोग पु० उलटा मुक्तामा
 यमियाद पु० उलट कर प्रणाम
 करना भागीयंवन [विभास
 यय पु० शयय सीगन्द कसम
 ययित त्रि० यथार्थ कहनेवाला
 विभासी [मुक्तालय
 ययित त्रि० शत्रु दुश्मन ।
 ययंन म० प्रतिदान फिरदेना ।
 लोटाना ।
 ययसान म० भोजन खाना ।
 ययसित त्रि० भोगाहुआ खाया
 हुआ ।
 ययाय पु० पापदोषगुणादये
 याकात त्रि० निराहत अहम
 दिया गया ।

प्रत्याख्यान म० निराकरण इनकार
 प्रत्यादिष्ट त्रि० निरस्त निकाल
 दियागया इच्छिला दिया गया
 प्रत्यावेश पु० निराकरण निकालना
 हुकम । [बहुत मजबूत
 प्रत्यासन्न त्रि० मतिनिकटस्थ
 प्रत्याहार पु० पीछे खींचना हटा
 देना भण् भादि । [उधार
 प्रत्युत्तर म० उत्तर का उत्तर
 प्रत्युत्थान म० अमृत्युत्थान भावेद्रुये
 की भावरसे उठकर खेना ।
 प्रत्युत्पन्नप्रति त्रि० जिसकी बुद्धि
 समय परफुरती हो । [मुज
 प्रत्युप पु० प्रभात सवेरा दिन का
 प्रत्युह पु० विम दकापट रोक ।
 प्रथम त्रि० प्रधान बड़ा, भाव, पहिला
 प्रथिमन् पु० स्मृत्युत्पन्नमोटा मोटापन
 प्रर पु० विदारण काटना एक
 प्रकार का योनि का रोग ।
 प्रदीप पु० दीपक दिया लैरूप ।
 प्रदीपन पु० पेटकी अग्निको भड़-
 काने वाला अन्नकने वाला ।
 प्रदेश पु० एक देश मूलक भित्ति
 दीवार [जी का पुत्र

प्रदीपन पु० प्रदीपन प्रदीपन प्रदीपन

प्रद्वय पु० पलायन भागना ।
 प्रधान न० युद्ध लड़ाई जंग ।
 प्रधान त्रि० श्रेष्ठ, बहुत अच्छा मालिक
 प्रधि पु० रथकी नाभि, पहिया धुरा
 प्रपञ्च पु० फैलाव प्रतारण ठगना
 प्रपञ्चा स्त्री० हरीतकी हरद
 प्रपद न० पाँवके भागे का भाग ।
 प्रपन्न त्रि० शरणागत शरणमें आया
 प्रयात पु० जिस से बहुत गिरता
 है भूतों । [पिता
 प्रपितामह पु० परदादा बाबा का
 प्रपोत्र पु० भोजका पोत्र पोतेका पुत्र
 प्रकुल त्रि० खिलारुआयिकाशयुक्त
 प्रयत्न पु० सन्दर्भ प्रन्थ आदिकी
 रचना शब्दोपस्त ।
 प्रयास न० नव फलकय नया पत्ता
 प्रयोध पु० अच्छा समझ जागना
 प्रयोधन म० जागना होश में आना
 प्रयोधिनो स्त्री० बोधकराने वाली
 प्रयत्नन पु० धातु हवा
 प्रयत्न पु० नीच का वृक्ष
 प्रयत्न पु० पराक्रम बल जम्म
 प्रया स्त्री० दीप्ति चमक रोशनी
 प्रयास पु० मूर्ख मूर्ख
 प्रयास न० पातःकाल सुबह

प्रभाव पु० तेज
 प्रभु पु० स्वामी, बि
 प्रभूत त्रि० बहुत
 प्रभृति म०
 प्रमथन न० बघ मारना
 प्रभुवाना विलोडन
 प्रमदा स्त्री
 प्रमनस् त्रि०

प्रमाण
 प्रमातामह पु० नाना
 प्रमाद पु०
 प्रमापण न० मारण मारना
 प्रमिति स्त्री० प्रमा पण
 प्रमीला स्त्री०
 प्रमुदित त्रि० हृष्ट
 प्रमेह पु० एक रोग
 प्रमोद पु० हर्ष खुशी
 प्रयत्न त्रि० पथि
 प्रयत्न पु० बहुत कोशिश
 प्रयाग पु० जिसमें
 होता है जलाशय
 प्रयास पु० प्रयत्न
 प्रयुक्त न० दयालाभ
 प्रयोक्तृ त्रि० प्रयोग करने
 उत्तमर्ण कर्मा देवदत्त

पु० लगाना मुकरं करना
स्तेमान [लगाने द्वारा
क वि० हेतु नामोक्तो ।
न न० मतलब काम उद्देश्य
पु० बहुतलः या बहुत लट-
ता हुआ ।
पु० नाशक्षय छिपना कथामत
पु० धनुष्य । चीरहा
सु वि० जिसकी अधिक
मशरूपा हो
पु० सन्तान गोत्र धेष्ट अच्छा
क वि० चनाने वाला काम में
लगाने वाला ।
निा स्त्री० काम में लगाना ।
वि धेष्ट नेक प्रधान सदाँर
इण न० डोली पालकी
इ पु० परम्परागत यास लगा-
तार चला माना [रहना
स पु० विदेश पास विदेश में
सन वि० विदेश में पास करना
मारना [वाला ।
सिन् वि० विदेश में पास करने
तदु० प्रवृत्ति कुल का प्रवाह ।
हारण न० मुख लड़ाई अङ्ग
काटना ।

प्रवीण वि० निपुण चतुर समझदार
प्रवृत्ति स्त्री० प्रवाह पाताँ पात
प्रवृत्ति वि० प्रवृत्ति युक्त वड़ा हुआ पीठ
प्रवेक वि० प्रधान धेष्ट सदाँर वड़ा
प्रवेश पु० भीतर जाना घुसना
प्रवेशन न० प्रधानद्वार वड़ा दर्पाता
प्रयजित वि० संन्यासी धनुर्धाधमी
प्रमन्या स्त्री० संन्यास
प्रशसा स्त्री० स्तुति तारीफ
प्रशमन न० यथ मारना [लायक
प्रशस्त वि० प्रशंसनीय तारीफ के
प्रभ पु० सवाल जिज्ञासा कथन
प्रधय पु० प्रणय स्नेह मुहब्बत ।
प्रभित वि० विनोत शिक्षित नम्र
प्रष्ट वि० भागे जाने वाला बहुत भन्का
प्रसक्त वि० लगा हुआ तत्पर मशगूल
प्रसक्ति स्त्री० प्रसङ्ग लगना मशगूली
प्रसङ्ग पु० भाषति मेला भजमून
मैयुन
प्रसन्न वि० निर्मल साफ खुश
प्रसक्ति स्त्री० निर्मल्य प्रसन्नता
सफाई ।
प्रसन्नता स्त्री० प्रसाद खुश होना
प्रसन्न न० चलात्कार कथरदस्ती
प्रसर पु० प्रभव उत्पत्ति पैग
समूह पुन ।

प्रायश्चित्त न० दुःख दण्डको सहते	प्रियंवद् त्रि० मोठा रं
हुये चित्तको पशमें रखना	प्रियतम त्रि० भर्तिवि
प्रायश्चित्तिन् त्रि० प्रायश्चित्तकरने	प्रियता स्त्री० स्नेहप्य
योग्य	प्रियदर्शन त्रि० सुन्दर
प्रायस् भ० बाहुल्य बहुतायत	प्रीजन न० ८०
प्रायोपपिष्ट त्रि० कुछ न खाकर	प्रीत त्रि० दुष्ट प्रसन्न
मरने के लिये बैठगया	प्रीति स्त्री० हर्ष सुख
प्रायोपपेश पु० भोजन के बिना	प्रष्ट त्रि० दाध प्रसा
मरने को बैठना	प्रेक्षा स्त्री० पर्यायेव
प्रायश्च न० भारम्भ किया हुआ	प्रेक्षापन् त्रि० मोचकर
शुरू किया हुआ	याला
प्रायता स्त्री० याचना मांगना	प्रेत पु० मृत मरा हुआ
प्रायित त्रि० याचित मांगना	प्रेतगृह न० दमशान प्रवृ
प्रायरण न० उत्तरीयवस्त्र डुपट्टा	प्रेत्य भ० मोक्षमार्ग
प्रायुदम्बा० वर्षाकालमीसमयगान्	प्रेमन पु० स्नेहपिपा
प्रायुष्य त्रि० वर्षामें होनेवाला	प्रेमन् त्रि० भर्तिपति
प्रायिन ह त्रि० गूठने वाला सवाल	पियारा
करने वाला	प्रेरण न० प्रेषण भेजना
प्राय पु० दुःख माया	प्रेष्ठ त्रि० बहुत पियारा
प्रायव पु० राजन इन मह-क को डो	प्रोक्षण न० भारी भार
न के पु० मरु-डी र रर पति-आदि	प्रोक्षित त्रि० मिश्र हो
न के पु० पति-के प्रहृष्ट का	प्रोष्ठत न० मार्गव प
न के पु० न० बहुत बड़े बहुत	करना
पु०	प्रोत त्रि० पिरोवा हुआ
पु०	प्रोपित त्रि० परदेही पर

तुं का ली० जिस लीका
परदेश में गया हो।

० उद्यम उद्योगी चन्द

० पाकुड़नामोदुध पौषल

० दूधन उछलना तरना फूटना

० त्रि० गीला किया गया

बहावा गया

० न० फूटकर चलना तीन माथा

पाला भक्षर

० त्रि० दूध जला हुआ

० य पु० दाह जलाना जलन

० त्रि० भक्षित खाया गया

(फ)

० विकका ली० भस्मदुग्धप्रहार तरन

० के निषेध करने का लये पूर्वपक्ष

० त्रि० खापका फण

० त्रि० लाम नमीजा दूधका फल

० त्रि० फलकारनेवाला का वृक्ष

० त्रि० भण्डे फलवाला भाग

० त्रि० फलवाला मुनि

० त्रि० फलवाला लाम हरं

० त्रि० मनोहर निरर्थक

० त्रि० गुड़विकार पीरा

० त्रि० फनी कचखोखा

कारट न० बनायासक आराम

से बनाया गया

० फाल न० फलके लिये दितकारी

हलमें लगा हुआ लोहा

० फालगुन पु० कागनका महीना

० फुट त्रि० फट गया फूट गया

० फुल त्रि० विकसित खला हुआ

० फेण न० भाग फसूकर

० फेणिल त्रि० झगदार

० फेर पु० शृंगाल गोदड़

(व)

० वहिष्ठ त्रि० अतिशय बढ़तही

० वहोयम् त्रि० बढ़तही बढ़ल

० वहवा ग्री० घोंड़ी घोटका

० वहवास्ति पु० समुद्रकी भाग

झार भाटा

० वहिक्पथ पु० वहियाका रास्ता

० व्यापार हाट बाजार

० वहभाष पु० वाणिज्य व्यापार

० वहिक् पु० वहिया व्याप नीचे

० वहिक् त्रि० कृपण लम कलस

० वहिक् त्रि० जिसकी बीटी बंधी हो

० वह पु० मारना मारना कुतल

० वहिरि त्रि० बहिरा न गुनने वाला

० वह्य त्रि० मारनेके योग्य

मपिति स्त्री० कथन कहना

मषड पु० मांड

मश्रु न० मङ्गल साधु मला

मष पु० डरना डर [याला

मषदूर त्रि० डरको पैरा करने

मयानक त्रि० व्याप्त डरायना

मरण न० येतन मजदूरी पोषण

परपरिहा

मर्ग पु० तेज प्रकाश रोशनी

मर्त पु० मजामी मालिक

मर्मांत न० भिड़कना मुड़की

मर्त पु० नाद सीछ [जगत्

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

मर्त पु० अन्त उत्पत्ति पैराइश

भागधेय न० भाग्य राजसेव

दायाद द्विसेदार [११४

भागशस्त्र भ० द्विसेदार

भागहर त्रि० भंशप्रदो

भागिन् त्रि० भागशस्त्र

भागिनेय पु० भागिनी पु०

भागीरथी स्त्री० मङ्गलसी

भाग्य न० शुभाशुभ गुण

माङ्गीन न० भागिका

माङ्गन न० पात्र आपरपोन

भाग्य त्रि० मोदनेके ल०

माङ्कन न० भाषा किराया

माण्ड न० पात्र धर्म

माण्डारिन् त्रि० भवको

भाण्डिका पु० भाण्डिका

मानो स्त्री० शोभा धर्म

मानु पु० मृग्य किराया

स्वामी

मान पु० कोष गुणसा

मानिनी स्त्री० कोषा

स्वामी

मान पु० कोष गुणसा

मानिनी स्त्री० कोषा

स्वामी

भारक पु० बोझा उठानेवाला बोध्य
भाष्या स्त्री० रसो पातन करनेके
भात न० लताद मस्तक माथा
भातु लृ० क पु० भक्तक रोछ
भाप पु० पवित्र राग भाष्य
मतसय

भाषाक वि० भाषका महापात्रका
भाषना स्त्री० ध्यान विन्ता किक
भाषित वि० पासितगुहाकारमात
भाषिनी स्त्री० स्त्री औरत
भाषुक न० मङ्गल शुशो
भाषा स्त्री० पाषय घोलना जवा
भाषित वि० कथित कहाहुभा
भाष्य न० टीका तिरक सरह
भाषू स्त्री० दीप्त रोशनी धमक
भात पु० दाति अमरगोष्ठ गुला
भातरात्रि० दीप्तरोशधमकनेवाला
भातर पु० प्रकाशक सूर्य अग्नि
भातर वि० दीप्तिपुष्प धमकने
वाला

भास्वान् पु० सूर्य भाकका पुर
भिक्षा स्त्री० दाया मागना भोक्ष
भिक्षाक वि० भोक्ष मागनेवाला
भिक्षादि वि० भोक्ष मागकर
पादेवाला संन्यासी

भिक्षु पु० संन्यासी चतुर्धाधारी
भिक्षुक पु० स्त्री० संन्यासी भिक्षाती
भिक्षन० खरड टुकड़ा हिस्सा
भिक्षि स्त्री० भोक्ष दीकार
भिक्षा स्त्री० पिशरण पाइना
भिक्षु वि० चतुर् तोड़नेवाला
भिक्ष वि० पिशरित पाइनाया
जुस कियागया

भिक्षु पु० जगती जाति भोक्ष
भिक्षु पु० पैय हकीम डाक्टर
भो स्त्री० भोति इट रोक
भोति स्त्री० इट भय भोक्त
भोम वि० इरापना भोक्तनाक
भोमसेन

भोमसेन पु० एक पावदय अथवा
भोक्त वि० भयशील इरपीक
भोक्त पु० शुभाव सियार धाम
भोषण वि० अघामक इराचना
भोष्य पु० शम्भुना पुत्र भयानक
भुक्त वि० भक्षित खाया गया
भुक्तस्तुतिभन वि० शोचन करने
छोड़नाया भन

भुक्त वि० भुक्तगया चुकड़ा
भुक्त पु० स्त्री० बाहु भुजा कर
भुक्त पु० सर सर

भ्रान्त न० भ्रमण घूमना मिथ्या
 धानवाला [घूमना

घान्ति स्त्री० भौं ठी समझ भ्रमण

घामक त्रि० घूमनेवाला गीदद

घाट न० भाट

छू स्त्री० भी भौद

छूशेष पु० भौदका गढ़ाना सङ्केत

छूण पु० गर्भ । पख्या ।

भूणस त्रि० गर्भकानाशकरनेवाला

(म)

भकर पु० मगरमच्छ. जसमी राशि

भकरम्भ पु० पुष्पमधु. फूलकारण

मुकुट न० शिराभूषण मुकुट ताज

मकुट पु० शाशा. दूषण

मजिहशो-का स्त्री० मजधो

मज पु० गाव । पख । कल

मजरी पु० इन्द्र । सुपर्व

मजरी स्त्री० मजिहशो की दशम नक्षत्र

मजरी पु० दूषण। शोशा भावना

मजरी भ० गोप्य। शरा । तत्व

मजरी पु० कल्याण। नीलरादिन

मजरी पु० कल्याण। नील की मजरी

मजरी पु० कल्याण। नील की मजरी

मजरी पु० कल्याण। नील की मजरी

मजरी स्त्री० भस्थितार इन्द्र
 का सार

मजरी पु० उच्च भावना। कल

मजरी-री स्त्री० बाल बाली

मजरी-री स्त्री० मजरी । एक

मजरी न० नपुर भोजन [पख

मजरी त्रि० मनोहर सुन्दर गी

मजरी त्रि० मनोहर सुन्दर गी

मजरी स्त्री० समूहकी पंक्ति

मजरी स्त्री० पत्ताग गृधि

मजरी पु० छायालय पाठशाला

मजरी पु० स्त्री-रत्न जड़

मजरी पु० द्वापका पर्व

मजरी पु० द्वापका भवार

मजरी भ० मजरी सामान

मजरी पु० छायाली का भोज

मजरी पु० भजतार जेवर

मजरी पु० न० बंगला जेवर

मजरी न० धेरा जिला गोला

मजरी भोग पु० कदेवर

मजरी त्रि० भुक्ति भोग

मजरी पु० मीठक मेक

मजरी न० लांहेका मीठ

मजरी त्रि० भोजनमान पु० नक्षत्र

मधूच्छिउष्ट न० उस्ता मोम
 मध्य त्रि० मन्तराल बीच
 मध्यगन्ध पु० माघ आमका पेड़
 मध्यतत्त्व म० बीच बीचसे
 मध्यदेश पु० बीचकाभाग बीचका
 मुक्क एक देश
 मध्यन्दिन न० मध्याह्न दुपहर
 मध्यम त्रि० मध्यम बीचका
 मध्यमलोक पु० पृथिवी भूमि
 मध्यमसाहस पु० बिना विचारे
 कार्य करडालना यत्पूर्वक
 कार्य करना
 मध्यमाहरण न० बीजगणितमें
 प्रसिद्ध अव्यक्त मानके नापने
 वालो गणना
 मध्यरात्र पु० निशीथ अर्धरात्र
 आधीरात [उदासीन
 मध्यवर्तिन् त्रि० बीचमें रहनेवाला
 मध्याह्न पु० बीचका समय दुपहर
 मध्यासव पु० फूलआदिका अंक
 मनस् न० चित्त विल मन
 मनसिज पु० मनमें उपजा कामदेव
 मनस्ताप पु० मनकी पीड़ा पीड़ा
 मनका तपना
 मनस्विन् त्रि० परिचितविचारशील

मनाफ् म० ईश्वर
 मनिठ त्रि० ज्ञान ज्ञानवान्
 मनोपा स्त्री० बुद्धि अहं
 मनीषिन् त्रि०
 मनु पु० धर्मशास्त्र
 एक मुनि
 मनुष्य पु० मनुकी
 आदमी
 मनोजय त्रि०
 वेग हो बड़े वेगवाला
 मनोद त्रि० पुन्दर
 हरनेवाला दिलचस्प
 मनोभव पु० मनोज्ञ कल्पित
 मनोरथ पु० इच्छा अभिलाषा
 मनोरम त्रि० सुन्दर
 मनोहर त्रि० खींचर
 मन्तु पु०
 मन्त्र पु० सलाह
 मन्त्रदातृ पु०
 गुरु सलाह देनेवाला
 मन्त्रिन् पु० स्त्री० घड़ीर
 मन्थ पु० रई बिलौना फिरा
 मन्थज न० नयनीत मन्थक
 मन्थन पु० रई

स व० बहाधु मज्झ हाथी
 दिपु० बहाधम बहीधममभी
 हव० बहव्या भद्रिहोत्र, पाता
 पतादि की सेवा, अतिथि
 मन्त्रार, परिदेवदेव
 उज व० राजाओं का राजा
 रजा राजा
 राजि को० अथर्वेराह अथ हो
 जाय उयका नाम है
 राए व० मारटोका देश
 रीव व० बहासंग गूनीभादि
 रीव व० बहानाफ परुकव
 रं वि० बहुत गूज्यवाला भेज
 र्थव व० बहा मनुज
 रक्षमी कर्म० बही लक्ष्मी
 रसाद व० बहा सुभर
 रसोद व० बटवृक्ष
 राकव न० बहा यवन
 राधिया कर्म० बही विद्या
 रार्थि व० भुक्तहित दुःखी
 रोर व० बहा बहादुर हनुमान्
 रीय व० बहुत बलवाला
 राधि व० बही पोशाक
 रासोम
 रज न० बहा मय

महावय न० बहा पाव बहा ज्ञानम
 महावय न० बहाजन बहाभियम
 महायाद वि० बहा पुनं राजपनुदा
 महायव वि० बड़े यायव पाकी
 महानुधाव दिगावर
 महामुद्र व० बहामुद्र एकजाति
 महावशा न० बहा मरपट
 महासेम व० बही सेवाका स्त्रीमी
 मदि-ही को० पूर्धिपी भूमि
 मदिवा कर्म० दिव पर्य
 मदिवन व० इहस्य बहाई
 महिष व० मेष
 महिपी कर्म० परतानों मेष
 महिषाभर न० एक रस्य
 मदीक्षिण व० नव राजा
 मदीज वि० पूर्धिपी से उत्पन्न
 मदीध व० पर्यंत बहाइ (समुद्र
 मदीप्र, चौर व० पूर्धिपीका पंरा
 मदीभूत व० राजा पर्यंत
 महावस्तु वि० बहुत बहा
 महोयमान वि० पूज्य पूजाकेयोग्य
 मदीदह व० पूर्य हरण्य
 मदेच्छ वि० महायव साहव [पर्यंत
 मदेन् व० बहुत ऐश्वर्य पाळा मय
 मदेय व० बहा स्त्रीमी

मशक पु० मच्छर एक कोड़ा
 मसि-सी स्त्री० स्याही लेखनद्रव्य
 मसरा स्त्री० मसूरकी दाल
 मसीधान न० दायात मसीपात्र
 मसूरिका स्त्री० कट्टनी चेचककी
 बीमारी

मस्तुत्र त्रि० स्निग्ध चिकना नरम
 मस्कर पु० वंश वांस [संन्यासी
 मस्करिन् पु० स्त्री० परित्राट्-
 मस्तक न० मस्तक माथा
 मस्तिष्क न० दिमाग मगज
 मस्तमूलकन० शिरोधरा गर्दनगला
 मस्तु न० महा छाछ
 मह पु० उत्सव हर्ष याग
 महत् त्रि० विपुल बड़ा
 महर्षि पु० उत्तम ऋषि बड़ा ऋषि
 महस् न० तेज यज्ञ उत्सव
 महाकाय त्रि० बड़े शरीरवाला
 महाकाव्य न० बड़ा काव्य
 महाकुल न० अच्छा कुल बड़ा
 ध्यानदान

महाप्रिय त्रि० बड़ी गर्दनवाला ऊँट
 महात्र पु० बड़े शरीरवाला [पड़
 महाच्छाप पु० बड़ी छायावाला
 महाजन पु० सज्जन पुंरूप साधु

महातीक्ष्ण त्रि०
 महात्मन् त्रि० बड़े भाग्य
 सज्जन
 महादेव पु० परमेश्वर बड़ाई
 महाद्रुम पु० पीपलका वृक्ष
 महाधातु पु० बड़ा
 महानदी स्त्री० बड़ी नदी
 महानस न०
 महानादपु० बड़ा शब्द ऊँची
 महानिद्रा स्त्री० बड़ी नींद
 महानिशा स्त्री० बड़ी रात
 दोपहर

महानुभाव पु० महाशय
 महापथ पु० बड़ा मार्ग
 बड़ी सड़क
 महापातक न० बड़ा पाप
 महापुरुष पु०
 महाप्रलय पु० सर्व
 सर्वका नाश
 महाप्रसादपु०
 महाफल पु० विद्वत् बेलका
 महाबलपु० बहुतबली
 महाभारत पु० न०
 महाभूत न० पृथिवी
 आकाश
 महामनस् त्रि० महाशय

पु० बड़ा० शु गज हाथी
 दपु० बड़ासम बड़ीवेसमभी
 पु० सन्ध्या, अग्निहोत्र, मातंग
 यतादि की सेवा, अतिथि
 तत्कार, पतिवैश्चदेय
 तज पु० राजाओं का राजा
 बड़ा राजा
 त्रात्रि की० जिसमें सब लय हो
 जाय उसका नाम है
 तरापु पु० मरहटोंका देश
 तेग पु० बड़ासंग मृगोभा
 रौरव पु० बड़ानरक बटुक
 त्रि० बहुत मूल्यवाला त
 तजंय पु० बड़ा समुद्र
 दाहधमी रुत्री० बड़ी लहन्
 दावरद पु० बड़ा सुभर
 दावरद पु० बटगुप्त
 दावाषय न० बड़ा घसन
 दाविदा रुत्री० बड़ी विर
 तबीधि पु० सुप्ररहित
 दावीर पु० बड़ा बहादुर
 दावीय पु० बहुत घनव
 दाष्याधि पु० बड़ी
 नदारोग
 दामत न० बड़ा मत

महावज्र न० बड़ा घाय बड़ा जड़म
महावत न० बड़ावत बड़ाविषम
महाघाट त्रि० बड़ा धूल राजघतूरा
महाशय त्रि० बड़े भाग्य पाला
महानुभाष दिलावर
महाशूद्र पु० बड़ाशूद्र एकजाति
महावैश्या न० बड़ा मरपट
महासेन पु० बड़ी सेनाका स्वामी
महि-ही स्त्री० पृथिवी भूमि
महिका स्त्री हिम पर्ण
महिमन पु० महत्त्व बड़ाई
महिय पु० भैंसा
महिषी स्त्री० पटरानी भैंस
महिषासुर पु० एक दैत्य
महीक्षित् पु० नय राजा
महीत्र त्रि० पृथिवी से उत्पन्न
महीध्र पु० पर्वत पहाड़ [समुद्र
महीध्रचौर पु० पृथिवीका घेरा
महीधृत पु० राजा पर्वत
महायस् त्रि० बहुत बड़ा
महीयमान त्रि० पूज्य पूजायोग्य
महीरह पु० गृह दरफा
महेन्द्र त्रि० महाशय सादर [पर्वत
महेन्द्र पु० बहुत योग्य पाला पुन
महेय पु० बड़ा

महिला स्त्री० बड़ी इलाइची
महोक्ष पु० बड़ा बेल [हर्ष
महोत्सव पु० बड़ा जलसा महान्
महोत्साह त्रि० बहुत उद्यमी बड़ा-
हिम्मतो

महोदधि पु० समुद्र सागर
महोदय त्रि० बहुत ऐश्वर्यवाला
महोन्नत त्रि० बहुत ऊंचा
महोरग पु० बड़ा साँप ।
मा अ० निषेध धारण माप
मांस न० आमिय गोश्त [की चर्बी
मांसज न० मांस से पैदा हुई देह
मांसल त्रि० बली स्थूल मोटा
मांससार पु० मेद चर्बी
मांसिक त्रि० कसाई मांसजीवो
मागध पु० श्वेतजीरा स्तुतिपाठक
भाट

माघ पु० माघका महीना माह
माङ्गल्य न० कल्याणकारो शुभ
माचिका स्त्री० मक्षिका मक्खी
माजिष्ठ न० मजोठ से रंगा हुआ
माणघ पु० छोटा नर बालक
माणवीन त्रि० बालकका बालक-
सम्बन्धी
भाष्य न० बालकों का समूह

माणिक्य न० लालरंगका
माणियन्ध न० सैन्धव लवण
मातङ्ग पु० गज हाथी
मातापितरौ पु० माता पिता
मातरिश्वन् न० वायु हवा
माता स्त्री० जननी मा
मातामह पु० नाणा
मातुल पु० मामा
मातृ त्रि०
मातृका स्त्री० उपमाता दाई
मातृबन्धु पु० मामा
मातृष्वसा स्त्री० मौसी
मातृष्वस्त्रेय पु०
मात्र न० समस्त कुल
मातसर्य्य न० हंसद इह
माघ पु० मार्ग वाट रास्ता
माधुर त्रि० मधुर का, के
माद पु० दर्प अहङ्कार
मादक त्रि०
मादन न० लवङ्ग लोण
मादुक्ष-श त्रि० मेरे
माध्यन्दिन न० मध्यदिनका
यजुर्वेदको एकशाखा
माधुश्रीफल पु०

मायाभिक त्रि० निरर्थ करनेवाला
 मायपु० उद्गर् उर्द एकलोन
 मायपथक प० सुदर्शनकार सुनार
 मायोण न० जिस अंत में उर्द होते
 हो यह अंत
 मासू प० मास महीना चन्द्रमा
 मास पु० चन्द्रमा महीना
 मासन न० सोमरात्रीकता
 मासर प० भक्तमवष्ट मोड
 मासान्त पु० मासावसान महीने
 की समाप्ति
 मासिकात्र० महीनेका माहवार
 मास्म अ० निवारणरोकना दडाना
 माहाकुल त्रि० यद्देकुल में उपजा
 माहात्म्य न० महिमा महत्त्वतारोफ
 माहिय न० मैसका दूध आदि
 सींग आदि
 माहेय न० पृथिवी से उपजा
 माहेश्वर त्रि० ईश्वर से मिला
 हुआ ज्ञान आदि
 मित त्रि० परिमित माया हुआ
 मितङ्गमपु० भगवद्वाणीपरिमितगामी
 मितद्रु पु० सागर समुद्र
 मितम्पच त्रि० कृपण कंजूस ना-
 कर ॥ मानेवाला [प्रमाण
 मिति स्त्री० ज्ञान नापना विशेष

मित्र न० पु० मित्रः
 मित्रपु पु० मित्रकाणि
 प्यार
 मिषम् अ० हानि
 मिषिया स्त्री० न
 नगर निरपुन
 मिथुन न० स्त्री पुन अ०
 मिष्या अ० असत्य बूझ
 मिष्यानिरसन न० कप
 काकर मने करभा
 मिष्यामियों पु० अ०
 मष्यामिशमर न०
 भूडा दीप
 मिष्यामति स्त्री० अ०
 मिथ्र न० समुक्त नि०
 भ्रेष्ट
 मिथ्रकावण न० एक वन
 मिष न० छल चहाना कप
 मिषिकर स्त्री० जडाभासी
 मिष्ट त्रि० सिक नीडा
 मिहिका स्त्री० नीहार
 मिहिर पु० सूर्य वृद्ध
 पवन
 मीठ त्रि० मूत्रित
 मीदुष्टन पु० सूर्य सुरज

मुनि प० • षानी सत्पुरुष विचार
शील

मुनीन्द्र प० • पुरुषोत्तम मुनि श्रेष्ठ
मुन्यन्तन० • मुनिश्रीकाभन्नसामादि
मुमुक्षु त्रि० • मुक्तिको इच्छा करने
वाला यति

मुमूक्षान न० • मेघ पादल
मुमूर्ष त्रि० • भासन्नमृत्यु जो
मरना चाहता हो

मुर न० • घेष्टन घेरना [मुरली
मुरली स्त्री० • नर्मदानदी यांतुरी
मुरलीघर प० • श्रीकृष्ण
मुपित त्रि० • चोरी किया गया
जिसका धनादि चोरी गया हो

मुष्क प० • भण्डकोप तस्कर
मुष्करान्य प० • रनवास का रख-
वाला नपुंसक [मुष्क

मुष्टि प० • स्त्री० • पन्था हुआ हाथ
मुष्टामुष्टि न० • मुष्कामुष्को
पैसापत्नी

मुष्टिधय प० • बालक यक्ष
मुष्टिधय प० • समूह जमा करना
मुस्त प० • मुस्तक मोथा

मुहिर प० • नृपं वेशक का मरेप
मुहुस् अ० • बारबार होना

मुहुर्ष प० • न० • कुछ समय तक
मूक त्रि० • गंगा
मूढ त्रि० • मूर्ख जड़बालक बेवकूफ
मूर्च्छना स्त्री० • बेहोशी गानेका प
अंग

मूर्च्छा स्त्री० • मोह बेहोशी
मूर्च्छाल त्रि० • बेहोश बेसुध
मूर्च्छित त्रि० • बेसुध बेहोश
मूर्त्ति स्त्री० • देह शरीर वर्णकाठिन्य
प्रतिभा

मूर्तिमत् त्रि० • मूर्तिवाला शङ्खवा
मूर्ज प० • फेश बाल
मूर्जन्य त्रि० • शङ्खवाणां जो मूर्ज
से बोले जाने हैं

मूर्धन प० • मस्तक माथा [एक वे
मूर्धा स्त्री० • अपने नाम से प्रसिद्ध
मूर्धाभिषिक्त प० • एक को
प्रातः हुआ हो

मूल न० • जड़ तरंग
मूलक न० • मूली
मूलप्रवृत्ति स्त्री०

रात रजसतमग्न

मूलाधार प० • नाभि

मूलिन प० • जिसका

मूलविभूत प० • जो

हो रथ गाड़ी

वर्गमूल न० घातका साधन जैसे १६

का ४, ६ का १ इत्यादि-

वर्चस् न० रूप शुक तेज बल

वर्चस्विन् त्रि० तेजस्वी तेजवाला

वर्जन न० छोड़ना त्याग मारना

वर्णन० ब्राह्मणादि शुद्धादिभक्षरपु०

वर्णकृषिका स्त्री० दाघात

वर्णतलो स्त्री० लेखनी कलम

वर्णधर्म पु० न० ब्राह्मणादि का

कसव्य कर्म

वर्णसङ्कर पु० दोगला जार

वर्णाशु स्त्री० लेखनी कलम

वर्णिका स्त्री० लेखनी कलम

वर्णिग त्रि० बहुत सारी कफिया गया

वर्णिन् पु० स्त्री० ब्राह्मणादि चित्रकार

वर्तक पु० बटवपत्री

वर्तन न० वृषि जादिका रीती

वर्तनी श्री० पीमना वास्तु भाग

वर्तन पु० जो दोहरा है समान

दा-८

वर्तक पु० बटवपत्री

वर्तक पु० बटवपत्री

वर्तक पु० बटवपत्री

वर्तक पु० बटवपत्री

वर्तक पु० बटवपत्री

वर्णाभू त्रि० मंडक जो

वर्णामद पु० मयूर मोर

वर्णिष्ठ त्रि० मतिपुष्ट

वर्णुक त्रि० वर्णवर्ण

वर्णपल पु० भोला कल

वर्णन न० शरीर

वर्णन० मयूरपिच्छ

वर्णन पु० मयूर मोर

वर्णिकेश पु० भक्ति भग

वर्णिकु स्त्री० भक्ति भाग

वर्णन० सैन्य सेना

वर्णन पु० धनवर्ण

वर्णन पु० न० कदक बहु

वर्णन त्रि० धोषन भग

वर्णन पु० स्त्री० वक्रपथ

वर्णन पु० मेष वाव

वर्णन न० वक्र १, छिन्न २

वर्णन स्त्री० लगाम

वर्णन पु० भगवद् भगवद्

वर्णन पु० भगवद् भगवद्

वर्णन पु० भगवद् भगवद्

वर्णन पु० भगवद् भगवद्

वर्णन पु० भगवद् भगवद्

वर्णन पु० भगवद् भगवद्

वर्णन पु० भगवद् भगवद्

वास्तु त्रि० उद्गीर्णं के किवागवा
 वाय पु० पत्र भाद्रिका युनना
 बीज भाद्रिका बीना
 वापि-पी त्रि० वायवी
 वापीह पु० चातक पपोहा
 वाप न० मनोहर प्रतिकूल भयम
 वामन त्रि० योना यमुन नाटा नर
 वामलूर पु० वाल्मीकि वामी
 वामलोचना स्त्री० सुंदरनेत्रवाली स्त्री
 वामान्वार पु० उल्टा काम करना
 वामी स्त्री० घोड़ी शृगालो गद्दी
 उष्ट्री
 वामोरु स्त्री० सुन्दर जङ्घावाली स्त्री
 वायवी स्त्री० उत्तर और पश्चिमके
 बीच की दिशा
 वायस त्रि० काक की भा
 वायसारतिपु० उल्लूकी भोंका शत्रु
 वायु पु० पवन हवा व्यार
 वायुभक्ष पु० हवाको खानेवाला सर्प
 वायुवर्त्मन न० आकाश आसमान
 वायुवह पु० धूम धुआं
 वायुसख पु० हवाका दोस्त भाग
 वार न० जल पानी वाटर
 वार पु० समूह भवसर द्वार क्षण
 रविवार आदि क्रम

वारक त्रि० दान
 वारण न० रोकना निषेध
 वारंवारम् अ० बार २
 वारपोषा स्त्री० वेदग र जी
 वारवाण पु० न० कवच
 वारान्निधि पु० समुद्र
 वाराणसी स्त्री० काशी
 वाराही स्त्री० सुवरी सु
 वार न० जल पानी
 वारिचर पु० ज
 वारिज न० पद्म कमल
 वारत्र न० छत्र छाता
 वारिद न० मघ बारल
 वारिधि पु० समुद्र सागर
 वारिमसि पु० मेघ बादल
 वारिराश पु० समुद्र सा
 वारिख पु० पद्म कमल
 वारिवाह पु० मेघ बादल
 वारीश पु० समुद्र सागर
 वारुण न० जल पानी
 वार्त न० आरोग्य तन्त्रुक्त
 वार्ताक पु० बैंगन भाटा
 वार्त्तक्य न० बुढ़ाग जर्ष
 वार्धि पु० समुद्र सागर

विचारविष्णु	विजनन न० गर्भमोचन प्रसव
विधानेवाला	विजय पु० जय जीत
विजय, रोक	विजया स्त्री० मंगा भांग
विजय का दूर	विजयतोष वि० दूसरी अतवाला
विजय होगिया	विजयगोषा स्त्री० जीतनेकी इच्छा
विजय तलाश	विजयमय न० विजय अनुहार
विजय सुखली	विजयन्मिठ वि० विकसित धनक
विजय, गौर, सोच	विजय वि० चतुर प्रवीण
विजय, ध्यान, सोच	विजयत वि० क्यात मरहूर
विजय तलाश	विज्ञान न० ज्ञान जानना [दाद
विजय	विज्ञानिक वि० विज्ञानयुक्त समझ
विजय	विट पु० लुका आर पार
विजय	विटफु न० कबूतरोंका दूरवा छतरी
विजय	विटप पु० गोखो रहनी वृक्ष
विजयकापुत्र	विटपिन पु० वृक्ष पेड़ [चदन
विजयगंगा	विटि-रीश्री० पीतचन्दन, पोता
विजयगंगा	विट्वा पु० शूकर सुगर
विजय केरकत	विट्पति पु० जमावा जमाई
विजय	विट्स्वन न० तिरस्कार्य निरादर
विजय	विटाल पु० बिल्ला बिलौटा
विजय	विटो न पु० दक्षिणों का उड़ना
विजय	विट्वा स्त्री० भ्रमनेवृद्धी स्थिर
विजय	करना दूसरे केगुहकाचरदन
विजय	करना ध्वज उड़ना [वात्र
विजय	उप वि० विजयभूत पदार्थकृषी

विकल त्रि० व्याकुल घबड़ाया हुआ
 विकल्प पु० सन्देह शक
 विकरा स्त्री० मजीठ
 विकशित त्रि० प्रकाशित झिला
 विकार पु० परलना तयशीली
 विकालपु० विकलसमय उलटाकाल
 विकाराश न० प्रकाश अमक [कीला
 विकाराशिर त्रि० प्रकाशशील अम-
 विकार पु० गिराऊ पक्षी
 विकारणो न० शेषण फेंकना
 विकारणं त्रि० विशिष्ट फेंकना हुआ
 विकल त्रि० धीमल मलिनोक्त
 रोग युक्त
 विकल पु० रोग बीमारी
 विकल पु० बड़ा दुरा शरत्त्व
 विकलारिण पु० बुराता रोग के
 नामों में से एक रोग है
 विकलमन पु० मिथ बोर
 विकल पु० बचना परावर्तिताना
 विकलपु० बचना पु० बचकरणा छेपछ
 विकलपु० विकलपु० बचनेवाला
 विकल पु० विकलपु० बचनेवाला
 विकल पु० विकलपु० बचनेवाला
 विकल पु० विकलपु० बचनेवाला
 विकल पु० विकलपु० बचनेवाला
 विकल पु० विकलपु० बचनेवाला
 विकल पु० विकलपु० बचनेवाला
 विकल पु० विकलपु० बचनेवाला

विकल्प त्रि० व्याकुली
 घबराहट
 विविलन्त त्रि० मोठा, दूरा
 विधेय पु० रथाम छोड़ना
 विद्य त्रि० नकदा
 विख्यात त्रि० प्रसिद्ध प्रमाण
 विगमन न० बहुत विगम
 विगत त्रि० प्रमाद रं . . .
 दूरगया ।
 विगम पु० नाश, भग
 विगर्हण न० निम्नान .
 विगर्हित त्रि० निम्नान
 बदनामी
 विगाह त्रि० स्नान नष्ट
 विगाह न० निम्नान पु० बोर
 विगीति स्त्री० ति० पु०
 विगुण त्रि० गुणहीन
 विगुण त्रि० गार्ह नष्ट
 विगुणीत त्रि० पकड़ा हुआ
 विग्रह त्रि० नकदा
 विग्रह पु० बोर ति० पु०
 विग्रहाका स्त्री० पक्षी
 विग्रहित त्रि० दूरा
 विग्रहित त्रि० नकदा
 विग्रहित त्रि० नकदा

वितरण न० दान देना
 वितर्क पु० सन्देह, शक, ऊहा दलील
 वितर्दि स्त्री० पेदिकापेदी [वालिश्त
 वितस्ति पु० स्त्री० १२ अंगुल नाप
 वितानन० अवसर विस्तारयष्टतम्बु
 वित्त न० धन, वीलत, व्यात
 विस्ति स्त्री० ज्ञान लाभ हासिल
 विद्वधत्रि० नागरिक० पण्डितचतुर
 विद्वथ पु० योगी कृती
 विदा स्त्री० ज्ञान जानना [प्रवाह
 विदार पु० विदारण, फाड़ना, जल
 विदारक पु० फाड़ने वाला, पानी

विद्या स्त्री० विज्ञान
 विद्याचषण त्रि० विद्या
 इत्त मे मशहूर
 विद्याचञ्च पु० वि.
 विद्यादान न० विद्या
 विद्याधन न० विद्या
 विद्याधर पु० वि.
 विद्युत् स्त्री० वि.
 विद्युन्माला स्त्री०
 एक छन्द
 विद्रवण पु०
 सहना

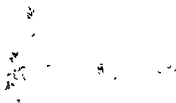
सतानन्द पु० गीतम का पुत्र एक
 मुनि [पास पढ़नेवाला
 सतीर्थ्य पु० गुरु भार एक गुरुके
 सत्कर्तृ त्रि० अच्छे काम करनेवाला
 सत्कर्म न० वेद विहित कर्म
 सत्कृत त्रि० पूजाहुआ आदरकिया
 सत्क्रिया स्त्री० सत्कार आदर
 पूजन साधन [अच्छा
 सत्तम त्रि० अतिशय धातु बहुत
 सत्ता स्त्री० विद्यमानता वर्तमान
 होना
 सत्र न० स्थान यज्ञ सदा वान
 जङ्गल
 सत्रशाला स्त्री० धर्मशाला धर्मगृह
 सत्राजित् पु० सत्यभामाका पिता
 एक राजा
 सत्रिन् पु० गृहस्थ
 सत्वध पु० अच्छा मार्ग
 सत्फल त्रि० अहिम अनार अच्छे

सत्ययुग न० प्रथमयुग
 सत्यवचस् त्रि० सच्चे बचनवाला
 सत्यवचन
 सत्यवत् त्रि० सत्यवाला सत्य गु
 सत्यवतीसुत पु० व्यास ऋषि
 सत्यवाच् त्रि० सच्ची वाणीवाला
 सत्यवादिन् त्रि० यथार्थवाक्मके
 वक्ता सच बोलने वाला
 सत्यव्रत त्रि० नियम पूर्वक कार्य
 करने वाला सच्चा
 सत्यसङ्गर त्रि० सच्ची प्रतिष्ठावाला
 सत्यसन्ध त्रि० सच्चा मेल करने
 वाला रामचन्द्र
 सत्यानृत न० सत्य भीर भूँडा
 धान्यों का काम - [देना
 सत्यापन न० सत्याकृति ब्यापन
 सत्याय त्रि० सत्यवादी सच्चा
 युचन [वाला
 सत्वर त्रि० शीघ्र जल्द जल्दी

स्यात्पति पु० वायु एषा
 स्यात्कार पु० अच्छा भाल चलन
 स्यात्तन म० सदा रहनेवाला ईश्वर
 स्यात्तन त्रि० अच्छे चित्तपाला
 स्यात्तन त्रि० सत्यदावान देनेवाला
 स्यात्तन पु० सदा भावन्में रहने
 वाला ईश्वर [संजनपक्षी
 स्यात्तन त्रि० सदा वाजनेवाला
 सदाभीष्ट स्त्री० जिसकीमें सदा
 पानी रहता हो
 स्यात्तन त्रि० जिसने सदा
 कल्याणही शुभकर्म [उत्तरपाला
 स्यात्तन न० अच्छा जयाब अच्छे
 स्यात्तन त्रि० मुख्य सम परावर
 स्यात्तन पु० पास देशपाला
 स्यात्तन पु० अच्छा हेतु
 स्यात्तन पु० विषय नता होनापन
 स्यात्तन म० यथायं ठीक
 स्यात्तन म० गृह घर [हुआ
 स्यात्तन त्रि० गतरमहत भटकिया
 स्यात्तन त्रि० भट पल भीर
 स्यात्तन को करनेवाला नानादि
 स्यात्तन त्रि० भो प्र जीवन्को
 स्यात्तन करनेवाला अनियमिता
 स्यात्तन करने

स्यात्तन न० शीघ्रपवित्र होना ।
 स्यात्तन त्रि० शीघ्र उत्पन्नहुमा
 स्यात्तन त्रि० अच्छे चरित्र वाला
 स्यात्तन स्त्री० पु० अच्छी जीविका
 अच्छी जीविकापाला । बराबर
 स्यात्तन त्रि० एकसाधर्मपाला सदा
 स्यात्तन चारिणी स्त्री० साथ हीकर
 धर्मका वाचरण करने वाली
 स्त्री भाषा
 स्यात्तन त्रि० समानधर्मकरनेवाला
 स्यात्तन स्त्री० पतिवाली स्त्री [वाला
 स्यात्तन त्रि० सहचरसाथ बिचने
 स्यात्तन म० सदा
 स्यात्तन त्रि० भावन्दावा
 स्यात्तन कुमार पु० एकगुनि
 स्यात्तन म० सदा हमेशा
 स्यात्तन त्रि० सदा होने वाला
 स्यात्तन पु० ज्ञान ज्ञानि भाई
 स्यात्तन त्रि० पास बिल वाला
 स्यात्तन त्रि० विस्तार पं० हुका
 स्यात्तन त्रि० विस्तार हुका
 स्यात्तन स्त्री० सदा व नीमई
 स्यात्तन त्रि०

समग्रधारिन् पु० गुवमार्ग एकसाथ पढ़ने वाला [सुहागन समर्तु का स्त्री० सीभाग्यवती संभो स्त्री० परिणतु कमेटी समाजन न० गमनसमय में कुशल पूछना सत्कार समासद्व पु० सम्य मैम्बर [मैम्बर समास्तार त्रि० सम्य, सामाजिक समिक पु० जुआरी सम्य पु० सामाजिक मैम्बर सन् अ० मली भांति, बहुत, मिलना सम त्रि० समान, तुल्य, घराबर समक्ष त्रि० अ० चक्षु० सामने पास समग्र त्रि० सकल सारा कुल समझा स्त्री० मजिष्टा मजीठ समचित्त त्रि० समदेखने वाला तत्त्वज्ञानी समज न० घन जंगल पशु समूह मूर्ख मण्डली समझा स्त्री० कीर्ति, यश बड़ाई समज्या स्त्री० समा कीर्ति समञ्जस त्रि० भीचित्य उचित समदर्शिन् त्रि० सब जगह समान देखने वाला पण्डित तत्त्वज्ञानी समदृष्टि त्रि० समदर्शी बराबर देखना	समधिक त्रि० बहुतजियाइह समन्त पु० मन्त्राग्रन्त सीमा समन्तस् अ० चारों ओर से समन्तभुज पु० अग्नि भाग समन्तात् अ० चारों ओर से समन्वित त्रि० सगत मिलाहुआ समभिहार पु० पीनः पुन्यवारवार समम् अ० साहित्य साथ, एकही समय पु० काल, शय्य भट्टीकार समया अ० नैकट्य समीपता समयाध्युषित पु० सूर्य और ताराओं के बिना समय समर पु० २० युद्ध लड़ाई जङ्ग समर्चन न० अच्छे प्रकार भावर करना समर्थ त्रि० शक्यलवानाहितकारी समर्थन न० साबित करना फैसला समर्पाद त्रि० नियमके साथ निश्च पास समल न० बहुतमला विष्टा काला समस्तार पु० पानीमें उतरने की सीढ़ी समघाय पु० समूह मेल सम्मिश्र विशेष समवेत त्रि० मिलाहुआ समूहयुक्त समष्टि स्त्री० सम्प्रदायान्तिसंस्कृती
--	---



समीक्ष्यकारिन् त्रि० अच्छे प्रकार
 विचार कर काम करने वाला
 समीचीन त्रि० यथार्थ ठीक ठीक
 साधु संत्य हां [मिलता है
 समीप त्रि० निकट पास जहांपानी
 समीर पु० वायु घात हवा
 समीरण पु० वायु हवा पथिक
 समीरित त्रि० कथित उच्चारित
 कही हुई । मेजी
 समीहित त्रि० अभीष्ट चाहा, गया
 अभिलषित
 समुचित त्रि० योग्य बहुत ठीक
 समुच्चय पु० एकीकरण इकट्ठा करना
 समुच्चित त्रि० कृतसमुच्चय इकट्ठा
 किया हुआ
 समुच्च-च्चार पु० अच्छी तरह
 बोलना अच्छी तरह त्यागना
 समुच्छेद पु० विनाश अच्छे प्रकार
 काटना
 समुच्छ-च्छा-य पु० अत्युन्नति
 बहुत ऊँचा विरोध दुश्मनी
 समुच्छित त्रि० अत्युन्नत बहुत
 ऊँचा
 समुच्छ-लित पु० चारों ओर से
 उछला हुआ चारों ओर से फैला
 हुआ [साँस बाला फिर जी उठा
 समुच्छ-यसित त्रि० मली भांति

समुज्झित त्रि० १
 समुत्कम पु० वृद्धि ऊपर जाना
 समुत्थ त्रि० अच्छी तरह
 उठा [उठाना
 समुत्थान न० समुद्योग
 समुत्पन्न त्रि० उपजा पैदा हुआ
 समुत्पाठ पु० जड़ से उखाड़ लेना
 समुत्पिप्रज त्रि० व्याकुल बहुत
 घबड़ाया हुआ
 समुत्सर्ग पु० अच्छे प्रकार त्याग देना
 समुत्सुक त्रि० चाहें हुये इस्तुको
 पाने के लिये जल्दी करने वाला
 समुत्सृष्ट त्रि० मलीभांति छोड़ दिया
 समुत्सेध पु० बहुत ऊँचाई बहुत
 बढ़ना
 समुदय पु० समूह बढ़ती युद्ध प्रग
 समुदीरण न० अच्छे प्रकार कहना
 समुदुग्म पु० ऊपर जाना उपसि
 समुदुगीत त्रि० ऊँचे स्वर से गाया
 गया
 समुदुगीर्ण त्रि० घामित उगला हुआ
 समुद्विष्ट त्रि० अच्छे उद्देश वाला
 पदार्थ मलीभांति बतलाया हुआ
 समुद्रत त्रि० अत्यन्त पागल
 अत्यन्त अभिगीत बड़ा गुस्ताख
 अभिमानी बहुत समुद्र

सर्वकर्मोपनि० सबकाम करनेवाला

सर्वक्षार पु० सायाछाया साधुन

सर्वग त्रि० जलवायु ईश्वर

सर्वङ्गकृप त्रि० पापी खल सर्वको
दुख देनेवाला । आत्म

सर्वजनीनत्रि० सबजगह प्रसिद्ध

सर्वज्ञ पु० विधाता ईश्वर

सर्वतस् अ० चारों ओर से

सर्वतोमद् त्रि० चारों ओरसे सुख
देने वाला

सर्वतोमुख न० ब्रह्म ईश्वर

सर्वत्र अ० हरवक्त हरजगह

सर्वत्रगामिन् त्रि० सब जगह जाने
वाला । वायु । ईश

सर्वथा अ० सबतरह हरएक तरहसे

सर्वदमन पु० भरतराजा सर्ववंशी

सर्वदर्शिन् पु० परमेश्वर

सर्वदा अ० सबकाल में सदा

सर्वधुरीण त्रि० सारा बोझ उठाने
वाला ।

सर्वनाम पु० एक सहा प्रोनाउन

सर्वभक्ष त्रि० सबकुछ खाने वाला

सर्वमय त्रि० परमात्मा ईश

सर्वरसोद्यम पु० लवण रस

सर्वरात्र पु० सारीरात

सर्वरीं श्री० रात्रि रात

सर्वविद् पु० परमेश्वर ईश

सर्ववेद पु० सर्व वेदोंको जानने
वाला ईश्वर ।

सर्ववेशिन् त्रि० घेरपिया नट

सर्वसन्नहन न० युद्धके विजेता

सबको तयार करना ।

सर्वसह त्रि० सबकुछ सहनेवाला

सर्वस्व न० सबकुछ सारा धन

सर्वाह पु० सब दिन सारादिन

सर्लिल न० जल पानी

सव पु० यज्ञ सन्तान

सवन न० सोमका पानी यह प्रसन्न

सवयस् त्रि० समान उन्नवाह

सख्या मित्र

सघर्ष त्रि० एक जातिका पराजित

रंगवाला

सधिकाश त्रि० चमकता हुआ

खिला हुआ

सधितृ पु० जगत्प्रदा ईश्वर सृष्टि

सधिध त्रि० निकट पास

सविस्मय त्रि० अचम्भे के साथ

सवेश त्रि० निकट पास पेश

सव्य त्रि० बायें दहिना

सव्येष्ट पु० सारथि कोनवान

सर्वकर्मीयत्रि० सबकाम करनेवाला

सर्वक्षार पु० साराजारा साधुन

सर्वग त्रि० जलवायु ईश्वर

सर्वङ्कय त्रि० पापी खल सर्वको

तुल्य देनेवाला [आम

सर्वजनीनत्रि० सबजगह प्रसिद्ध

सर्वज्ञ पु० विधाता ईश्वर

सर्वतस् अ० चारों ओर से

सर्वतोमद् त्रि० चारों ओरसे सुख

देने वाला

सर्वतोमुख न० ब्रह्म ईश्वर

सर्वत्र अ० हरयक हरजगह

सर्वत्रगामिन् त्रि० सब जगह जाने

वाला । वायु । ईश

सर्वथा अ० सबतरह हरएक तरहसे

सर्वदमन पु० मरनराजा सर्ववंशी

सर्वदर्शिन् पु० परमेश्वर

सर्वदा अ० सबकाल में सदा

सर्वधुरीण त्रि० मारा योद्धा उठाने

वाला ।

सर्वनाम पु० एक मन्त्रा प्रोनाउम

मयंनञ्ज त्रि० सबकुछ खाने वाला

सर्वमय त्रि० परमात्मा ईश

सर्वमोक्षम पु० लक्षण दत्त

सर्वरात्र पु० सारा रात्र

सर्वरी त्री० रात्रि रात

सर्वविद् पु० परमेश्वर ईश

सर्ववेद पु० सर्व वेदोंको जानने

वाला ईश्वर ।

सर्ववेशिन् त्रि० धेरूपिया नट

सर्वसम्नहन न० युद्धके विजेता

सबको तयार करना ।

सर्वसह त्रि० सबकुछ सहनेवाला

सर्वस्य न० सबकुछ सारा धन

सर्वाह पु० सब दिन सारादिन

सलिल न० जल पानी

सय पु० यज्ञ सन्तान

सयन न० सोमका पानो यज्ञ प्रस

सययस् त्रि० समान उधवा

सखा मित्र

सयर्ष त्रि० एक जातिका बराबर

रगवाला

सयिकाश त्रि० समकला बुझ

विला बुझा

सयिन् पु० जगत्प्रदा ईश्वर सर्व

सविध त्रि० निकट पास

सविस्मय त्रि० मधुर के साथ

सवेश त्रि० निकट पास पेश

सव्य त्रि० बाय दक्षिण

सव्येष्ठ पु० ग्राह्य की बचान

